राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 03 मई 2024 वर्ष–7,अंक–99 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आप और कांग्रेस एक साथ मिलकर करेंगे चुनावी प्रचार

-दोनों दलों ने को-ऑर्डिनेशन को और आगे बढ़ाने का लिया निर्णय

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव के चलते आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने आपसी तालमेल को बढ़ावा देने के लिए दोनों पार्टियों की को-ऑर्डिनेशन कमिटी की एक बैठक हुई। इसमें संयुक्त चुनाव प्रचार करने की रणनीति को लेकर सहमित बनी। साथ ही यह भी तय किया गया कि पहले लोकसभा और उसके बाद विधानसभा स्तर पर भी को-ऑर्डिनेशन किया जाएगा। आम आदमी पार्टी सूत्रों के मुताबिक को-ऑर्डिनेशन कमिटी की बैठक में आप के राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव संदीप पाठक, एमसीडी प्रभारी विधायक दुर्गेश पाठक और प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक राजेश गुप्ता शामिल हुए। वहीं, कांग्रेस की ओर से दिल्ली कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अंतरिम अध्यक्ष देवेंद्र यादव समेत दिल्ली और हरियाणा कांग्रेस के कई शीर्ष नेता मौजूद थे। आप ने कांग्रेस के साथ को-ऑर्डिनेशन की जिम्मेदारी दुर्गेश पाठक को सौंपने का ऐलान किया। संदीप पाठक ने कहा कि आप और कांग्रेस के बीच पहले भी कई बैठकें हो चुकी हैं जिसमें कांग्रेस की तरफ से दिल्ली और हरियाणा का शीर्ष नेतृत्व शामिल हुआ। आप ने को-ऑर्डिनेशन की जिम्मेदारी एमसीडी प्रभारी और विधायक दुर्गेश पाठक को सौंपी है। दुर्गेश पाठक आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच तालमेल बनाने का काम करेंगे। बैठक में हमने निचले स्तर पर चुनाव प्रचार के लिए को-ऑर्डिनेशन शुरू करने पर भी बातचीत की है। हमने एक प्लान बनाया है, जिसमें हम एक-दूसरे के लिए चुनाव प्रचार करने में भी मदद करेंगे और मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इसको पहले लोकसभा स्तर पर लागू करेंगे। उसके बाद विधानसभा स्तर पर।पाठक ने आगे कहा कि आज देश के सामने सबसे बड़ा सवाल देश के लोकतंत्र को बचाने का है। केंद्र की मोदी सरकार की तानाशाही से देश को मुक्ति दिलाना है। केंद्र सरकार सरकारी संस्थाओं को खत्म कर रही है। सारी एजेंसियां केंद्र सरकार के इशारों पर काम कर रही हैं। देश को मोदी सरकार की इस तानाशाही से बचाने के लिए हमें एक साथ काम करने की जरुरत है। इसके लिए दोनों पार्टियां तैयार और एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच को-ऑर्डिनेशन तो पहले से ही है, लेकिन अब इसको और आगे कैसे ले जाना है, इस बारे में हमने बातचीत की है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीतेगा।

सपा के गढ़ मैनपुरी में योगी के स्वागत में उमड़े लोग

पूरे रोड शो में लगे जय श्री राम के नारे

आगरा । उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा उम्मीदवार जयवीर सिंह के पक्ष में मैनपुरी में रोड शो किया। चिलचिलाती धूप में भी सड़कों पर सीएम योगी के स्वागत में मैनपुरी की जनता उमड़ पड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ व कमल के फूल का कटआउट लेकर रोड शो के पूरे रास्ते आमजन चलते रहे। सपा के गढ़ में घर-घर की छतों से एक ओर योगी पर पुष्पवर्षा हुई, वहीं दूसरी तरफ भारत माता की जयकार गूंज रही थी। लगभग एक घंटे के रोड शो में हर तरफ योगी-योगी ही होता रहा। आर्य समाज परिसर से भावंत चौराहे तक निकले रोड शो के दौरान सड़कों पर दर्जनों बुलडोजर खड़े रहे। कानून व्यवस्था के पर्याय बुलडोजर पर खड़े मैनपुरी वासियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने रथ पर खड़े योगी पर फूलों की खूब वर्षा की। जो बच्चे वोट नहीं दे सकते, उनमें भी योगी आदित्यनाथ के प्रति दीवानगी सिर चढ़कर बोल रही थी। महिलाएं छत से कहीं हाथ जोड़े खड़े रहीं, कहीं फूलों की वर्षा करती रहीं। रथ पर मैनपुरी से भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह, योगी सरकार के मंत्री संदीप सिंह आदि शामिल रहे।

रथ के पहिए से सजेगा पुरी का रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा

भुवनेश्वर । उड़ीसा में पुरी के भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की प्रसिद्धि देश और दुनिया में है। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा मे रथो के पहिए का इस्तेमाल अब स्टेशन और हवाई अड्डे पर स्थापित किए जाएंगे। रेलवे और हवाई अड्डे पर तीनों रथों के पहिए पुरी के रेलवे स्टेशन के कानकॉर्स में रखा जाएगा। रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे के बाहर खाली स्थान और हाल के अंदर इन्हें बढ़िया तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का जो विकास किया जा रहा है। उसे भगवान जगन्नाथ मंदिर की याद के रूप में विकसित किया जाएगा। अभी रथ के पहियों का उपयोग देवताओं के व्यंजन बनाने के लिए उपयोग में लाया जाता था। रथ के पहियों को अब रेलवे मंदिर प्रशासन से खरीदेगा और अपने परिसर में स्थापित करेगा।

झारखंड कांग्रेस का एक्स हैंडल बंद, तीन नेताओं को भेजा नोटिस

- अमित शाह के डीपफेक वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस का एक्शन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक गंभीर मामले में कार्रवाई करते हुए, बीजेपी एक वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सोशल मीडिया पर एडिटेड वीडियो को शेयर करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने झारखंड कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, नागालैंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष खिदी थेउनिओ और समाजवादी पार्टी के नेता मनोज काका को नोटिस जारी किया है। इन तीनों नेताओं को आज दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट के सामने पेश होने को कहा है। इस बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने झारखंड कांग्रेस का हैंडल बंद कर दिया है। वहीं, खबर है कि दिल्ली पुलिस रेवंत रेड्डी के जवाब से संतुष्ट नहीं है और आगे की कार्रवाई पर विचार कर रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस की जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है, जो गुजरात से नागालैंड तक पहुंच चुकी है। दिल्ली पुलिस ने इन नेताओं को अपने मोबाइल, लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट साथ लाने के लिए नोटिस जारी किया है। वहीं खबर ये भी है कि दिल्ली पुलिस तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के वकीलों के जवाब से संतुष्ट नहीं है और आगे की कार्रवाई पर विचार कर रही है। कांग्रेस पार्टी के एक्स हैंडल से जुड़े मामले में भी दिल्ली पुलिस ने कड़ा कदम उठाया है। वहीं, दिल्ली पुलिस की एक टीम तेलंगाना में ही है और अगले आदेश का इंतज़ार कर रही है। रेवंत रेड्डी की वकील सौम्या गुप्ता ने दिल्ली पुलिस के नोटिस के जवाब में कहा कि जिस ट्विटर हैंडल की बात हो रही है, वह तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का नहीं है। सीएम रेड्डी की तरफ से जो जवाब दाखिल किया गया है उसमें कहा गया है कि तेलंगाना कांग्रेस का एक्स हैंडल कौन चलाता है ये प्रदेश यूनिट के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को पता नहीं है। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के वकीलों के जवाब से संतुष्ट नहीं होने के बाद, अब आगे कार्रवाई की गई बात की जा रही है।

शहजादे को पीएम बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला: पीएम मोदी

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को दी तीन चुनौतियां

आणंद।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण से पहले गुजरात के आणंद में गुरुवार को पीएम मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने 60 सालों तक बैंक कब्जाए। कांग्रेस के शहजादे माथे पर संविधान रखकर नाच रहे हैं, लेकिन कांग्रेस मुझे जवाब दे कि क्या इस देश में 75 साल तक हिंदुस्तान के सभी हिस्सों पर लागू होता था? उन्होंने कहा कि मोदी के आने से पहले इस देश में दो संविधान, दो झंडे, दो प्रधानमंत्री थे। शाहजादे की पार्टी कांग्रेस ने कश्मीर में हिंदुस्तान का संविधान लागू नहीं होने दिया। सरदार पटेल की भूमि से आए इस बेटे ने धारा 370 को जमींदोज कर सरदार साहब को श्रद्धांजलि सच्ची दी।

पीएम मोदी ने कहा, मैंने कश्मीर में तिरंगा झंडा फहराकर, भारत का संविधान लागू कर सरदार साहब का सपना पूरा किया। जो देश (पाकिस्तान) कभी आतंकी एक्सपोर्ट करता था, वहां आज आटे के इंपोर्ट के लिए दर-दर भटक रहा है, जिसके हाथ में बम का गोला था, उसके हाथ में आज भीख का कटोरा है।

पीएम मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस को तीन चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस और उनके चट्टे-बट्टे को तीन चुनौती देता हूं। पहला, वे लिखित में दें कि धर्म के आधार पर वहां मुसलमानों को आरक्षण नहीं देने देगी। दूसरा, (कांग्रेस) एस-एसटी को मिलने वाली आरक्षण में सेंधमारी नहीं करेगी। तीसरा, देश में जिन-जिन राज्यों में कांग्रेस और उनकी साथियों की सरकार है, वहां वोट बैंक की राजनीति नहीं कर, बैकडोर से ओबीसी का आरक्षण काटकर मुसलमानों को नहीं देगी। मैं जानता हूं कि कांग्रेस मेरी चुनौतियों को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि कांग्रेस की नीयत में खोट है।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा,संयोग देखिए, आज भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। मजा की बात ये है कि यहां कांग्रेस मर रही है, वहां पाकिस्तान रो रहा है। कांग्रेस के लिए अब पाकिस्तानी नेता दुआ कर रहे हैं। शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। कांग्रेस पाकिस्तान की मुरीद है, पाकिस्तान और कांग्रेस की ये पार्टनरशिप अब पूरी तरह एक्सपोज हो गई है।

कांग्रेस की कमजोर सरकार आतंक की आकाओं को डोजियर देती थी। मोदी सरकार डोजियर में टाइम खराब नहीं करती।

120 किलोमीटर क्षेत्र में धंस रही है चिनाव वैली

- हर दिन आधा फीट खिसक रही है जमीन

- 70 घर पूरी तरह से तबाह, 400 लोंगो की शिफ्टिंग

जम्मू कश्मीर ।

जम्मू कश्मीर की चिनाव वैली के रामबन जिले में पिछले 8 दिन से लाइट बंद है। पिछले 1 साल में वैली के तीन जिलों, जिसमें डोडा, रामबन और किश्तवाड़ आते हैं। यहां पर जमीन धसने की 6 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। लगभग 900 घरों में दरारें आ चुकी हैं। चिनाव वैली का 120 किलोमीटर का क्षेत्र 1 इंच से लेकर आधा फीट की गहराई तक जमीन धसक रही है। राम वन में 800 मी। इलाके में जमीन धसने से 70 घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। यहां से 400 लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करना पड़ा है। पानी और बिजली की सप्लाई पिछले 8 दिन से बंद पड़ी है।

जमीन धसकने की वजह

यहां पर करीब 25000 करोड रुपए के चार प्रोजेक्ट चल रहे हैं। डोडा और किश्तवाड़ भूकंप 4 के जोन में स्थित है। इन क्षेत्रों में पिछले 5 साल में 3.5 तीव्रता के भूकंप के 150 से ज्यादा झटके आ चुके हैं। रामवन के जिला विकास आयुक्त बशर अल हक चौधरी ने कहा है। जिस तरह से जमीन तेजी के साथ धस रही है। उससे जिला प्रशासन और वैज्ञानिक हैरान हैं। विशेषज्ञों की टीम जांच कर रही है। इस क्षेत्र में जब से चार प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। उसके बाद से ही जमीन धसने की घटनाएं बढ़ गई है।

कुछ लोगों ने मुझे अपनी ही पार्टी में बेगाना बना दिया: अनिल विज

चंडीगढ़।

अंबाला कैंट से छह बार के विधायक और हरियाणा के पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें अपनी पार्टी में बेगाना बना दिया है। उन्होंने ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोगों ने मुझे मेरी पार्टी में ही बेगाना बना दिया है। विज अंबाला संसदीय सीट से बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक सभा को संबोधित कर रहे थे। बता दे बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने मार्च में हुए सैनी के शपथ ग्रहण समारोह से भी दूरी बना ली थी। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपना चुनाव प्रचार अंबाला छावनी निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित रखा है। विज ने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने अंबाला छावनी का विकास किया है तो वे इस चुनाव में अपनी ताकत दिखाएं और बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया को भारी मतों से विजयी बनाएं। बंतो कटारिया पूर्व केंद्रीय मंत्री रतन लाल कटारिया की पत्नी हैं। रतन लाल अंबाला से सांसद थे। पिछले साल उनका निधन हो गया। विज ने अपने भाषण के दौरान 'इंडिया' गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनके पास न तो कोई नेता है और न ही कोई नीति। जब विज यहां अंबाला छावनी में सभा को संबोधित कर रहे थे तो सैनी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे। बता दें कि इससे पहले मार्च में मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बारे में पार्टी द्वारा अवगत नहीं कराए जाने को लेकर अनिल विज के नाराज होने की खबरें आई थीं। सैनी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में विज को शामिल भी नहीं किया गया।

-सभी उच्च न्यायालयों में जजो की कुल स्वीकृत संख्या 1,114 है

रिपोर्ट में खुलासा: देश की 25 हाईकोर्ट में 327 जजों के पद हैं खाली

नई दिल्ली।

देश के पांच उच्च न्यायालयों-इलाहाबाद, पंजाब और हरियाणा, गुजरात, बॉम्बे और कलकत्ता में 1 अप्रैल तक 171 पद खाली थे, जो 25 हाईकोर्ट में से 327 पदों की कुल रिक्तियों का 52त्न से अधिक है। देश में सभी उच्च न्यायालयों में जजो की कुल स्वीकृत संख्या 1,114 है, जिसका अर्थ है कि 29.4त्न पद खाली हैं। एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में न्यायाधीशों की नियुक्ति एक समस्या बनी हुई है। उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में खाली पदो का मतलब लंबित मामलों की बढ़ती संख्या है, जो 30 अप्रैल तक लगभग 62 लाख तक पहुंच गई है। सभी अदालतों में कुल लंबित मामलों की संख्या 5.1 करोड़ से ज्यादा है, जिसमें अधीनस्थ और जिला अदालतों में 4.5 करोड़ और उच्चतम न्यायालय में 80,000 से ज्यादा मामले शामिल हैं।दिलचस्प बात यह है कि इनमें से आधे पदो के लिए केंद्र ने पहले दावा किया था कि हाईकोर्ट कॉलेजियम द्वारा कोई सिफारिश नहीं की गई थी, जबकि निर्धारित प्रक्रिया रिक्त होने से कम से कम छह महीने पहले से ही प्रस्तावों को शुरू करने की मांग करती रही है।

देश के सबसे बड़े हाईकोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट में 160 जजों की क्षमता के मुकाबले 69 रिक्तियां हैं, जिसका अर्थ है कि 43त्न पद खाली हैं। गुजरात हाईकोर्ट में रिक्तियां 44त्न से ज्यादा है, इसके बाद पटना और राजस्थान में जजों के 36त्न पद खाली हैं। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में 85 की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 30 पद खाली हैं, इसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट में 26 पद खाली हैं, जहां स्वीकृत संख्या 94 है। कलकत्ता और गुजरात हाईकोर्ट में प्रत्येक में 23 पद खाली हैं। पिछले साल दिसंबर में सभी हाईकोर्ट में बड़ी संख्या में रिक्तियों के खिलाफ सांसदों की चिंताओं का जवाब देते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने केंद्र तक पहुंचने वाली सिफारिशों की धीमी गति की ओर इशारा किया था।

रोचक हुआ मुंबई में मुकाबला.....शिवसेना बनाम शिवसेना

पहली बार कांग्रेस प्रत्याशी को वोट करेगा ठाकरे परिवार

मुंबई ।

मुंबई की छह लोकसभा सीट पर चुनावी मुकाबलों के लिए तलवारें खिंच गई हैं, जहां एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) तीन सीट पर आमने-सामने होंगी। मुंबई की दो सीट पर चिर प्रतिद्वंद्वियों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा। जबकि मुंबई की एक सीट पर शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा आमने-सामने होंगी। मुंबई के छह निर्वाचन क्षेत्रों में मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर-मध्य, मुंबई उत्तर-पूर्व, मुंबई उत्तर-पश्चिम शामिल हैं। ये महाराष्ट्र की उन 13 सीट में शामिल हैं, जिन पर 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान होगा। मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य और मुंबई उत्तर-पश्चिम में शिवसेना और शिवसेना (यूबीटी) के बीच मुकाबला होगा, जबकि मुंबई उत्तर-पूर्व में भाजपा और शिवसेना (यूबीटी) आमने-सामने होंगी। जहां मुंबई दक्षिण में, उद्धव ठाकरे की पार्टी के मौजूदा सांसद अरविंद सावंत का मुकाबला शिंदे गुट की यामिनी जाधव से होगा। जाधव मुंबई के भायखला विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। मुंबई दक्षिण-मध्य में शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई का मुकाबला शिंदे गुट के राहुल शेवाले से है। देसाई हाल तक राज्यसभा सदस्य थे, वहीं शेवाले मौजूदा लोकसभा सांसद हैं। मुंबई उत्तर-पश्चिम में ठाकरे गुट के अमोल कीर्तिकर का मुकाबला सत्तारूढ़ शिवसेना के रवींद्र वायकर से होगा। वायकर पहले शिवसेना (यूबीटी) में थे और हाल ही में शिंदे गुट में शामिल हुए हैं। वह फिलहाल मुंबई में जोगेश्वरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। कांग्रेस की मुंबई इकाई की अध्यक्ष और विधायक वर्षा गायकवाड़ मुंबई उत्तर-मध्य में भाजपा के उम्मीदवार प्रसिद्ध वकील उज्ज्वल निकम के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी, जबकि केंद्रीय मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता पीयूष गोयल मुंबई उत्तर में कांग्रेस के भूषण पाटिल को मुकाबला होगा। गगायकवाड़ मुंबई में धारावी विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं, जबकि गोयल राज्यसभा सदस्य हैं। मुंबई उत्तर-पूर्व में भाजपा के मिहिर कोटेचा का मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) के संजय दीना पाटिल से होगा। कोटेचा मुंबई के मुलुंड विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, गायकवाड़ ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। गायकवाड़ ने कहा कि ठाकरे ने उन्हें अपना समर्थन देने का वादा कर कहा कि उन्हें एक सांसद के रूप में दिल्ली भेजा जाएगा। यह पहली बार होगा कि ठाकरे किसी कांग्रेस उम्मीदवार को वोट देने जा रहे हैं, क्योंकि बांद्रा स्थित उनका आवास मुंबई उत्तर-मध्य निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश अकोलकर ने कहा, प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद, दोनों पार्टियों ने सत्ता में आने के अवसरों को लेकर रणनीतिक समझ कायम की है, खासकर मुंबई नगर निकाय में। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर जो तस्वीर उभर रही है, उसके अनुसार, शिव सेना (यूबीटी) और कांग्रेस कैडर के बीच ज़मीनी स्तर पर अच्छी पकड़ बना ली है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विवाह की वैधता

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिंदू विवाह पर एक नई व्यवस्था देते हुए कहा है कि अगर अपेक्षित विवाह समारोह नहीं हुआ है, तो हिंदू विवाह अमान्य है। अदालत ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट करने की जो कोशिश की है, उस पर पूरी गंभीरता से गौर करने की जरूरत है। इस फैसले को समग्रता में नहीं समझा गया, तो हिंदू विवाह की वैधता को लेकर अक्सर सवाल उठेंगे। न्यायालय ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। सात फेरों और समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश ध्यान देने लायक है। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। हालांकि, विवाह की पवित्रता का आभास समाज में समय के साथ घटा है और उसमें सुधार की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह को नहीं समझा जा सकता और सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। अदालत ने यह भी साफ किया है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है और यह नाच-गाने, खाने-पीने का आयोजन नहीं है। अपेक्षित विवाह समारोह होना चाहिए, उसके बिना मात्र पंजीकरण से विवाह वैध नहीं हो जाता है। दहेज या उपहार का आदान-प्रदान भी विवाह नहीं है और इसे रोकने के लिए कानून भी लागू है। कुल मिलाकर, अगर न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए, तो यह सुखद और स्वागतयोग्य है। फिर भी अदालतों को सचेत रहना होगा कि ताजा फैसले के बाद विवाह पंजीकरण का महत्व कहीं कम न हो जाए। असंख्य विवाह बहुत जरूरी होने पर या सुरक्षा की दृष्टि से ही सुनियोजित ढंग से पंजीकृत किए जाते हैं। विवाह पंजीकरण का यह रास्ता अगर बंद न हो, तो समाज में अपेक्षाकृत ज्यादा उदारता बहाल रहेगी। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है। पिछले वर्षों में कुछ खास हालात की वजह से अनेक ऐसे अदालती फैसले आए हैं, जिनके बाद विवाह संबंधी नियम-कायदों को सुलझाने की जरूरत बढ़ गई है। मिसाल के लिए, एक फैसला देखिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दर्शाया गया था। मध्य प्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। यह सवाल पूछा जा सकता है कि धार्मिक कर्तव्य बताने या तय करने का काम किसका है? वाकई, बदलते समय में विवाह के तमाम पुराने प्रतीकों और कर्मकांडों पर पुनर्विचार की जरूरत आन पड़ी है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कोरोना वैक्सीन पर राजनीति नहीं

(लेखक - संजय गोस्वामी)

कोरोना की कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कोर्ट में माना है कि इस वैक्सीन से कुछ लोगों को दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा है. यह वही वैक्सीन है जिसका भारत में बड़े पैमाने पर सीरम इंस्टीट्यूट के जरिए उत्पादन किया गया था. एक निजी संस्थान द्वारा उत्पादित वैक्सीन को न केवल सरकार द्वारा प्रचारित किया गया, बल्कि इसे आईसीएमआर द्वारा प्रमाणित और सुरक्षित भी बताया गया। जबकि सभी जानते हैं कि वैक्सीन का ट्रायल बहुत जल्दबाजी में किया गया था. क्लिनिकल और अन्य परीक्षणों की लंबी और वर्षों-लंबी प्रक्रिया को कुछ महीनों और हफ्तों में यह कहकर संक्षेप में प्रस्तुत किया गया कि यह समय की आवश्यकता थी। प्रधानमंत्री ने स्वयं सीरम इंस्टीट्यूट का दौरा किया और इसके एमडी अदार पूनावाला के साथ देश को वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने खुद भी टीका लगवाया और देशवासियों से भी टीका लगवाने की अपील की. इसके बाद कोवैक्सिन, कोरवेबेक्स जैसी कई अन्य वैक्सीन भी आईं और लगाई गईं। सरकार ने इसे बड़े पैमाने पर खरीदा और जनता को मुफ्त में सप्लाई किया। पूरे देश में टीकाकरण शिविर आयोजित किये गये। वैक्सीन लेने के लिए लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ा. वैक्सीन प्रमाणपत्र वितरित किए गए और कई सरकारी सेवाओं के लिए यह प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया गया। यह प्रमाणपत्र आज भी हम सभी के मोबाइल फोन या दराज में मौजूद है। ये सब हुए कई साल बीत गए. कोरोना की कभी-कभी छोटी लहर की चर्चा के अलावा कोई बड़ी लहर नहीं आई है. ऐसा लगता है कि वैक्सीन का असर हुआ है. कोरोना के नए-नए वेरिएंट आते हैं और बिना कोई खास असर दिखाए वापस चले जाते हैं. पुराने वेरिएंट को वैक्सीन से खत्म कर दिया गया है और इम्यूनिटी बढ़ने से नए वेरिएंट को अपनी ताकत दिखाने और बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है. लेकिन दूसरी ओर, अचानक दिल का दौरा, हार्ट अरेस्ट और ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं. आए दिन हमें ऐसी खबरें और वीडियो पढ़ने, देखने और सुनने को मिलते हैं. न केवल भारत में, बल्कि ब्रिटेन सहित अन्य देशों में भी, जहां कोविशील्ड का आविष्कार किया गया था। स्ट्रेजेनेका कंपनी ने इसे सबसे पहले कहां बनाया था और किन देशों से लाइसेंस या सहयोग लेकर अन्य देश और उनकी वैक्सीन कंपनियां इसका उत्पादन कर रही हैं। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इनका सबसे बड़ा उत्पादक है और इसकी बनी वैक्सीन पूरी दुनिया में सप्लाई होती है. लेकिन अब एस्ट्राजेनेका मुश्किल में है और उसकी परेशानी का साया सीरम इंस्टीट्यूट से लेकर भारत सरकार तक दिखाई दे रहा है. चूंकि इन दिनों भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं कोविशील्ड पर एस्ट्राजेनेका के कबूलनामे से विपक्ष को सरकार के खिलाफ नया हथियार मिल गया है. कोविशील्ड के बारे में खतरनाक तथ्य सामने आने से उन विपक्षी दलों को भी नई ताकत मिलेगी जिनके नेताओं ने शुरुआत में इस वैक्सीन का मजाक उड़ाया था और इसे बीजेपी की वैक्सीन बताकर इसे लगवाने से इनकार कर दिया था। हालाँकि बाद में जनता के दबाव में उन्होंने वैक्सीन लगवा ली, लेकिन कई आम लोगों की तरह वैक्सीन को लेकर उनका संदेह पूरी तरह ख़त्म नहीं हुआ था. इनमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख का नाम प्रमुख है. उनकी पार्टी इस चुनाव में भारत गठबंधन का हिस्सा है। जब से एस्ट्राजेनेका द्वारा अदालत में वैक्सीन की खामियों को स्वीकार करना मीडिया में उजागर हुआ है, जिस महिला की कथित तौर पर कोविशील्ड लेने के बाद मृत्यु हो गई, उसके माता-पिता ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के खिलाफ मामला दर्ज करने का फैसला किया है, जिसके एक दिन बाद भारत में वैक्सीन बेचने वाली एस्ट्राजेनेका ने अदालत में स्वीकार किया कि उनका कोविड शॉट एक दुर्लभ दुष्प्रभाव का कारण बन सकता है। . एस्ट्राजेनेका का कबूलनामा सामने आने के बाद अभिभावकों को न्याय की उम्मीद है. नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने एक सम्मेलन बैठक में कहा, सीरम इंस्टीट्यूट के कोविशील्ड के दुष्प्रभाव नगण्य से भी कम हैं। कोविड-19 एक घातक बीमारी है, और हम सभी को जीवन में बाद में अनावश्यक स्थितियों से बचने के लिए उचित सावधानी बरतनी चाहिए। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरोना और कोविशील्ड को लेकर चर्चाओं से भर गए हैं। ऐसा लगता है मानों सबको अपना गुस्सा निकालने का मौका मिल गया हो. कोई इसके लिए एस्ट्राजेनेका और अदार पूनावाला को जिम्मेदार ठहरा रहा है तो कोई इसे चुनावी बांड चंदे और विदेश में कॉरपोरेट जगत के लालच से जोड़ रहा है. कोरोना महामारी को लेकर अब भी लोगों में संदेह होने लगा है। वे पूछ रहे हैं कि क्या यह पश्चिमी अमीरों और शासकों की कोई सुनियोजित साजिश नहीं थी? जिसके तहत जनसंख्या को कम करने और फार्मेसी, अस्पताल, बीमा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया के करोड़ों लोगों को गिनी पिग बनाया गया और उनके जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया गया और इसके लिए चीन जिम्मेदार है। आपको यह जानना चाहिए कि किसी भी दवा का मानव के ईलाज में प्रयोग करने से पहले क्लिनिकल परीक्षण किया जाता है वैक्सीन का साइड इफेक्ट क्लिनिकल परीक्षण में नगण्य है सबसे पहले किसी रसायन जो कि टीके या दवा के लिए प्रयोग किया जाना है का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है। यदि प्रयोगशाला में सफलता मिल जाती है, तो इसके बाद इसका प्रयोग छोटे जानवरों (जैसे चूहा, बिल्ली, आदि) पर किया जाता है। यदि इन पर भी प्रयोग सफल होता है तो यही प्रयोग विभिन्न जाति के बंदरों पर किया जाता है। इस परीक्षण में इस दवा के दुष्परिणाम तथा दवा के विषैलेपन का भी परीक्षण किया जाता है। यदि यहां तक सफलता मिल जाती है तो उसके बाद दवा नियंत्रक तथा अन्य नियामक एजेंसियों से मानव पर उपरोक्त दवा के परीक्षण की इजाजत मांगी जाती है। इस इजाजतनामे में मानव परीक्षण की जरूरत किस प्रकार का परीक्षण किया जायेगा, कौन-कौन शोधार्थी इसमें शामिल होंगे और किन-किन अस्पतालों के माध्यम से यह शोध किया जायेगा, इस सब का विवरण देना होता है। साथ ही हर चरण के परीक्षण के बाद सम्पूर्ण विवरण नई दवा या टीके का परीक्षण करने वाली कम्पनी को उक्त एजेंसी को देना होता है।मानव परीक्षणों में हर दवा को तीन चरणों में गुजरना होता है।पहला चरण क्लीनिकल ट्रायल होता है, जिसमें दवा की सुरक्षा तथा शरीर में प्रतिरोधक क्षमता तथा अलग-अलग मात्रा में दवा की खुराक देकर दवा की खुराक (डोज) निर्धारित की जाती है। पहले चरण के परीक्षण में 10 से 20 तक स्वस्थ मानवों की आवश्यकता होती है, तथा इस पूरी प्रक्रिया में दो वर्ष का समय लगता है। दूसरे चरण में यही प्रक्रिया 300 से ऊपर स्वस्थ मानवों में दोहरा कर परीक्षण किया जाता है। इस प्रक्रिया में भी दो वर्ष से ऊपर का समय लगता है।तीसरे चरण में यह दवा उस बीमारी के हजारों रोगियों को दी जाती है, जिसे मर्ज के लिए यह दवा तैयार की गयी है। इस तीसरे चरण की खास बात यह है कि जितने मरीजों पर इस दवा का प्रयोग किया जा रहा है, उतने ही मरीजों पर प्लेसिबो (जो कि नमकीन पानी होता है) का परीक्षण किया जाता है। परीक्षण के बाद दोनों समूहों, जिन्हें दवा दी गयी है और जिन्हें प्लेसिबो दिया गया है, के नतीजों की तुलना की जाती है और सारी सूचना नियंत्रक एजे ंसी को दी जाती है। अब यहनियंत्रक एजेंसी देखती है कि क्या दवा में रोग को पूर्ण तथा समाप्त करने की क्षमता है या नहीं। साथ ही उसके मानवशरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन भी किया जाता है।फरवरी 2021 में, त्रिनिदाद और टोबैगो ने अपना राष्ट्रीय ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया। वैक्सीन कार्यकर्ता ष्ट्रद्धस्नह्र×1 ठ्ठष्ट्रङ्क-19 (ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका (कोविशील्ड, हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे, भारत) प्राप्त करने वाले पहले समूह में थे, जो राष्ट्रीय स्तर पर पहली ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 वैक्सीन उपलब्ध थी। आई बी एम कार्पोरेशन, अर्मोन्क, एनवाई, यूएसए द्वारा किया गया परीक्षण में इस वैक्सीन की सुरक्षा जांच की गई, स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता द्वारा प्राप्त टीकाकरण के बाद रिपोर्ट की गई टीकाकरण के बाद सिस्टमगत और स्थानीय अध्ययन दस्तावेजों का एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन , चिकित्सा और दस्तावेज़ीकरण दस्तावेज़ -19 से संबंधित इतिहास और पहले के अनुभव में दिए गए स्थानीय और सिस्टमगत अध्ययन से संबंधित डेटा के माध्यम से जांच किया गया था। इस परीक्षण की पहली और दूसरी खुराक प्राप्त करने के 48 घंटे बाद, 687 अभ्यास (पुरुष = 275; महिला = 412) में बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, मतली, मैलगिया, सिरदर्द, अस्वस्थता , थकान की व्यापकता का आकलन किया गया और पहली खुराक की तुलना में दूसरी खुराक के प्रशासन के 48 घंटे बाद अन्य प्रणालीगत खुराक में काफी गिरावट आई अधिकांश प्रतिकूल घटनाओं में साइड इफेक्ट की रिपोर्ट दर ‹0.50% थी, जो सभी पुरुष एवं महिला के लिए वैक्सीन के लिए कोविशील्ड सुरक्षित है। कोरोना कब खत्म हो गया और इसपर अभी भी राजनीति चालू है, इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ये आम लोग के स्वास्थ्य से जुड़ा है जानकारी के अभाव लोग घबरा जाएंगे।

स्वतंत्रता के पहले सुधार जरूरी

(लेखक- आनन्द पुरोहित)

- 5-7 सौ में प्रेस कार्ड और 5-7 लाख में सम्मान के बीच मना रहे विश्व प्रेस दिवस

(3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर विशेष)

5 सौ 7 सौ में प्रेस कार्ड और पांच सात लाख में अखबारों पत्र पत्रिकाओं द्वारा सम्मान की लॉलीपाप देने और मिलने की खबरें और सूचनाओं के बीच हम सब आज 3 मई को भारत में भी विश्व प्रेस दिवस मना रहे हैं। जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित करने के बाद विश्व प्रेस दिवस के रूप में ही जाना जाता है।

प्रेस के हालात आज ये हैं कि, रील बनाने के लिए चौराहे पर नाचने वाली से लगाकर छोटे बड़े नेता अभिनेता या सोशल साइट्स के तथाकथित सेलिब्रिटी मतलब सीधे साफ शब्दों में कहें तो हर कोई ऐरा गैरा एक्स, वाय, झेड भी प्रेस (जिसके लिए वर्तमान में प्रचलित शब्द मिडिया)..... पर उंगली उठाता रहता हैं। .....चाहे उनका कृत्य गलत, अव्यावहारिक, असामाजिक या आपराधिक अथवा गैर जिम्मेदाराना ही क्यों न हों.... वे अपनी ग़लती अपनी कमी नही मान मीडिया को ही दोषी ठहराते हैं।.... आइना दिखाने के लिए उधर मीडिया में भी कुछेक जमीर वाले अभी भी है, जो उनका पुरजोर विरोध करते उनको ही नहीं जन जन को उनकी हैसियत .....बोलें तो उनकी औकात उनके मुंह पर ही बता देते हैं.... परन्तु धीरे धीरे वे भी बहुत कम होते जा रहे हैं। और उनके लिए ही अत्यंत ज़रुरी है प्रेस स्वतंत्रता।

भारत में प्रेस या कहें मीडिया एंव पत्रकारों की स्वतंत्रता अथवा आजादी भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से सुनिश्चित होती है। प्रेस की इसी आजादी को विश्व स्तर पर सम्मान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया जिसे विश्व प्रेस दिवस के रूप में भी जाना और मनाया जाता है। वैसे हम भारत के पत्रकार हर साल 16 नवंबर को हमारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस भी मनाते हैं क्योंकि उस दिन हमारे यहां पीसीआई की स्थापना जो हुई थी।

आज की पीढ़ी के जो पत्रकार हैं उनमें से शायद अधिकांश को ....पीसीआई क्या है... यह ही पता न हो .... जिसके चलते वह भी यहां दिया जाना वांछित ही है। हालांकि उनकी इस अपरिचितता के लिए इन पत्रकारों का कोई दोष नहीं है क्योंकि इन्हें बताया ही नहीं गया या इनकी मनोवृत्ति ऐसी कर दी कि इन्होंने जानना भी नहीं चाहा..... सबसे पहले और सबसे तेज के चक्कर में ये यहां वहां से कोर्स कर कर के प्रेस का प्रतिनिधित्व करने पत्रकार बने या जैसा कि मैंने शुरुआत में कहा पांच सौ सात सौ में कार्ड लेकर फील्ड में आ गए.... पढ़ने जानने की, न लालसा रही न जिज्ञासा इसलिए नहीं जानते। खैर....

प्रेस स्वतंत्रता के संदर्भ में तो वर्तमान समय में दो स्तरीय स्थिति है.... एक जो लिखते हैं दूसरे जो लिखाते है.....सीधे सीधे कहे तो एक अखबार मालिक और दूसरे उनके कर्मी जिनमें संपादक, उप संपादक, प्रतिनिधि और रिपोर्टर जैसे अन्य सभी जमात शामिल, तो प्रेस स्वतंत्रता किसके लिए ? क्या दोनों के लिए ?

नये जमाने की प्रेस जिसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कहा जा रहा उसकी बात करना तो बेमानी ही है.उसका कोई औचित्य हीं नहीं है... क्योंकि जब 1991 में यूनेस्को ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस का निर्णय लिया था तब इसका अस्तित्व ही नहीं था ....और वर्तमान में भी नब्बे प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता के मापदण्डों तक दस प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है ।... ये तो बस बहसबाजी और बाईट मीडिया बन गया है। आलोचको की मानें तो उनके अनुसार वहां... बाइट पत्रकारिता... होती है... बाईट ले ली बन गई रिपोर्ट हो गई पत्रकारिता.... तो 1991 में विश्व प्रेस स्वतंत्रता की बात अखबारों के मद्देनजर ही कहीं गई थी । हालांकि अब इलेक्ट्रॉनिक के बाद एक और सोशल मीडिया भी प्रेस की जमात में शामिल होने को तत्पर है... इसलिए प्रेस शब्द के आयाम का विस्तार तो जरूरी हो गया है। इसको पुनः परिभाषित भी करना होगा।

सिर्फ अखबारों को लेकर प्रेस स्वतंत्रता की बात में तो पिछले वर्षों चर्चित एक व्यंग्यात्मक जुमला कि...... जो छप कर बिकते थे अब बिक कर छपेंगे बहुत कुछ कह गया है....संदर्भ सीमित था लेकिन अर्थ अनन्त है। ... हालांकि हकीकत यह भी है कि, कुछेक ऐसे भी हैं ....जो न छपकर बिकते हैं, न बिककर छपते हैं ....बस चलते हैं.... मतलब छपते ही नहीं तो और क्या... साल में दो चार छः बार भी छप गए तो छप गये नहीं तो चल तो रहे ही है।..... सरकारी संस्थान जैसे मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के प्रकाशन भी इसमें शामिल हैं... और ऐसे सैंकड़ों नहीं हजारों, लाखों है भारत में। इनमें से अधिकांश स्वयं सिद्ध नही होकर प्लांट किये गये है और लगातार किये जा रहे है.... कुछ विशेष उद्देश्य प्राप्ति के लिए कुछ क्षेत्र विशेष के सक्षमों द्वारा.... और इन तथाकथित सक्षमों द्वारा ही पूर्ण जिम्मेदारी एंव ईमानदार से पत्रकारिता के मानकों को निभाते प्रेस की मर्यादा और गरिमा को क़ायम रखने वाले अखबारों को बांधने के जतन किए जा रहे हैं.... चाहे नीतियों का हवाला देकर दबाव बनाते अथवा सुविधाओ के साथ प्रलोभन देकर.... मतलब साम दाम दण्ड भेद भरपूर चल रहा है प्रेस की आजादी को दबाने में। हालांकि ये तथाकथित सक्षम प्रेस के समर्थन से ही सक्षम बन पायें हैं, नहीं तो इनकी हैसियत कुछ भी नहीं थी... और अब उस पर ही उंगली उठा उसे बांधने का प्रयास कर रहे ...यह भूल कर की प्रेस का स्वरूप बहुत विराट है .....उसे किसी भी तरह के बंधन में बांधा जाना संभव नहीं है, परन्तु ये चंद प्रेस करें जयचंदी स्वभाव वालों से मिल उन्हें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लाभान्वित कर या प्रलोभन देकर, उनके साथ अपना यह कुत्सित प्रयास कर रहे .... इसलिए ही प्रेस स्वतंत्रता की जरूरत है ..... लेकिन अभी उसके पहले प्रेस के इन लोभी जयचंदो की पहचान कर उन्हें हटाने की जरूरत है। भारत में इसके लिए ही शायद पीसीआई का गठन किया गया जिसकी स्थापना दिवस को हम राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाते हैं। जैसा मैंने उपर बताया। पर पीसीआई अर्थात प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया भी अपनी स्थापना के उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया इसलिए वो भी परिवर्तनीय है। और विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के पहले प्रेस से दूषित लोभी जयचंदो को किनारे कर अखबार मालिकों और पत्रकारों को स्व आचार संहिता बना उसके अनुरूप आचरण सुधार की आवश्यकता है। दो शब्दों में कहूं तो स्वतंत्रता के पहले स्वच्छता।

विचार मंथन

चुनाव आयोग की पारदर्शिता और मतदाताओं की उदासीनता

(लेखक- सनत जैन)

आम नागरिकों और राजनीतिक दलों को, केंद्रीय चुनाव आयोग के ऊपर विश्वास क्यों नहीं रहा है। इसके बहुत सारे कारण हैं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को देखते हुए, अब आम वोटर चुनाव को लेकर कोई उत्साह नहीं है। मतदाताओं को ऐसा लग रहा है। चुनाव के परिणाम वैसे ही अपेक्षित हैं, जैसा सरकार दावा कर रही है। चुनाव आयोग की भूमिका भी सरकार के पक्ष में है। जिसके कारण मतदाताओं में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कोई उत्साह नहीं रहा है। गोदी मीडिया और राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारकों की सभाओं में जरूर भीड़ देखने को मिल रही है। अधिकांश सभाओं की भीड़ लाई गई होती है। इसमें मतदाताओं की संख्या कम, बेरोजगारों की संख्या जो अपनी दिहाड़ी कमाने के लिए पहुंचते हैं। भारतीय लोकतंत्र का संकट इस चुनाव में पहिले की तुलना में बढ़ गया है। मतदाताओं को राजनीतिक दलों और राजनेताओं के ऊपर विश्वास नहीं रहा। रही-सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी है। भाजपा ने कई महीने पहले से 400 पार का नारा लगाना शुरू कर दिया था। चुनाव आयोग के दो आयुक्तों की नियुक्ति लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के 1 दिन पहले जल्दबाजी में की गई। प्रधानमंत्री और एक केंद्रीय मंत्री की अनुशंसा पर 2 चुनाव आयुक्त बनाए गए। विपक्ष को समय पर अपना पक्ष रखने का मौका सरकार ने नहीं दिया। जिसके कारण चुनाव आयुक्तों को लेकर आमजन के मन में यह धारणा बन गई है। यह सरकार द्वारा नियुक्त चुनाव आयोग है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई। जिसमें चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, ईवीएम मशीन और वीवीपीएटी मशीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकायें खारिज करते हुए कहा, नागरिकों को चुनाव आयोग पर विश्वास रखना चाहिए। चुनाव आयोग की वर्तमान कार्य प्रणाली मैं निष्पक्ष चुनाव कराने की दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। सत्ता पक्ष की शिकायत पर विपक्षी दलों के ऊपर चुनाव आयोग तुरन्त एक्शन लेता है। लेकिन सत्ता पक्ष के ऊपर जो शिकायतें विपक्षी दलों द्वारा की जाती है। उन मामलों पर चुनाव आयोग चुप्पी मारकर बैठ जाता है। विपक्षी दल बार-बार चुनाव आयोग को शिकायत करते हैं। चुनाव आयोग ना तो कोई जवाब देता है, ना कार्रवाई करता है। लोकसभा चुनाव के दो चरणों का मतदान हो चुका है। पहले चरण के मतदान मैं जिन सीटों पर मतदान हुआ। उन सीटों के मतदाताओं का आंकड़ा और कितना मतदान हुआ है। भारी दबाव के बाद 11 दिन बाद इसका आंकड़ा चुनाव आयोग की वेबसाइट पर केवल प्रतिशत के रूप में दर्ज किया गया है। ना तो कुल मतदाताओं की संख्या बताई गई। कितने मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया है। इसकी संख्या भी नहीं है। प्रारंभिक रूप से जो मतदान का परसेंटेज बताया गया था। उससे 6 फ़ीसदी ज़्यादा का आंकड़ा चुनाव आयोग ने आधी अधूरी जानकारी के साथ 11 दिन बाद बताया है। दूसरे चरण के मतदान की भी जानकारी केवल प्रतिशत के रूप में दी गई है। मतदाताओं और मतदान करने वालों की संख्या का कोई विवरण नहीं दिया गया। चुनाव आयोग जब इस तरह से काम करेगा, तो इस पर कौन विश्वास करेगा। आम जनता को लग रहा है, सरकार जो चाहती है, वहीं चुनाव आयोग कर रहा है। ऐसी स्थिति में चुनाव परिणाम भी वही होंगे, जो सरकार और चुनाव आयोग द्वारा तय किए जाएंगे। चुनाव प्रचार में जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेता दुष्प्रचार प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों द्वारा सप्रमाण चुनाव आयोग को शिकायत की गई। चुनाव आयोग ने कोई कार्यवाही नहीं की। दो चरणों के मतदान की जानकारी भी 24 घंटे के अंदर चुनाव आयोग के पोर्टल पर नहीं डाली गई। किस संसदीय क्षेत्र में कितने मतदाता हैं, यह भी चुनाव आयोग ने अभी तक नहीं बताया है। ईवीएम और वीवीपेट की मशीनें बिना राजनीतिक दलों को बताएं यहां से वहां ले जाई जा रही हैं। जगह-जगह पर उन्हें पकड़ा जा रहा है। चुनाव आयोग उस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। कम मतदान होने के बाद भी 11 दिन बाद 6 फ़ीसदी मतदान बढाकर चुनाव आयोग द्वारा केवल प्रतिशत में बताया गया है। जिसके कारण मतदाताओं की उदासीनता चुनाव को लेकर बढ़ रही है। चुनावों को लेकर जो डर और भय अभी तक राजनीतिक दलों और राजनेताओं पर देखा जाता था। वही डर और वह भय मतदाताओं के दिलों और दिमाग में भी देखने को मिल रहा है। प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी कई राजनैतिक दलों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा आधी-अधूरी जानकारी देने, चेनाव आयोग द्वारा अपने ही बनाये गए नियमों का पालन नहीं करने पर आपत्ति दर्ज कराई है। लोकसभा 2024 के चुनाव में जीत किसी की भी हो, मतदाता और लोकतंत्र की हार निश्चित रूप से होती हुई दिख रही है। अब लोग न्यायपालिका को लेकर भी चर्चा करने लगे हैं।

जिंदल स्टेनलैस उत्पादन क्षमता बढ़ाने 5,400 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) 5,400 करोड़ रुपये का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता को 42 लाख टन सालाना तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह निवेश अगले दो साल के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 90 प्रतिशत निवेश आंतरिक स्रोतों से आएगा। निवेश योजना का ब्योरा साझा करते हुए जिंदल ने कहा कि इससे कंपनी की धातु पिघलाने की क्षमता 700 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के कारण 40 प्रतिशत बढ़कर 42 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी। दूसरा, कंपनी ने ओडिशा के जाजपुर में अपने संयंत्र में डाउनस्ट्रीम लाइनों के विस्तार के लिए लगभग 1,900 करोड़ रुपये अलग रखे हैं। इसके अलावा कंपनी ने रेलवे साइडिंग, टिकाऊपन से संबंधित परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन जैसी अवसंरचना सुविधाओं के संबंधित उन्नयन के लिए लगभग 1,450 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। साथ ही कंपनी क्रोमेनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड (सीएसपीएल) में 54 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

सीसीआई ने अधिवक्ताओं, विधि कंपनियों से मांगे आवेदन

नई दिल्ली । विभिन्न अदालतों और न्यायाधिकरणों के सामने निष्पक्ष व्यापार का प्रति निधित्व करने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अधिवक्ताओं और विधि कंपनियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। कानून फर्मों से जुड़े और अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता दोनों ही आयोग के विधिक पैनल में शामिल होने के लिए पात्र हैं। पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन एक मई से 31 मई तक किए जा सकते हैं। नियामक ने एक नोटिस में कहा है कि विभिन्न न्यायालयों और न्यायाधिकरणों के समक्ष आयोग और महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिवक्ताओं, कानून फर्मों का एक पैनल का गठन किया जा रहा है। विधि फर्म और प्रैक्टिस करने वाले वकील इस पैनल में शामिल होने के लिए पात्र हैं। पैनल में शामिल होने के इच्छुक अधिवक्ताओं और विधि फर्मों के लिए योग्यता, अनुभव, शुल्क, नियम, शर्तें और आवेदन प्रारूप से संबंधित दिशानिर्देश प्रतिस्पर्धा आयोग की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं।

विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अप्रैल में घटकर 58.8 हुआ

नई दिल्ली । भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि अप्रैल में सुस्त रही, लेकिन फिर भी परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया जिसे बढ़ती मांग का समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया जो मार्च में 59.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है और विस्तार की गति 2021 की शुरुआत के बाद से दूसरी सबसे मजबूत रही। इसके अलावा अप्रैल में नए निर्यात ठेकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यद्यपि कुल बिक्री की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही, जिससे पता चलता है कि घरेलू बाजार वृद्धि का मुख्य चालक बना रहा। सामग्री और श्रम लागत में वृद्धि की खबरों के बीच भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में अपने विक्रय मूल्यों में वृद्धि की। उन्होंने कहा कि हालांकि, कंपनियों ने उत्पादन शुल्क बढ़ाकर इस वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल दिया, क्योंकि मांग मजबूत बनी रही जिसके परिणामस्वरूप मुनाफे में सुधार हुआ।

अनिल अंबानी की तीन कंपनियां खरीद सकती है आईआईएचएल

मुंबई ।

भारी कर्ज संकट का सामना कर रहे उद्योगपति अनिल अंबानी के हाथ से एक साथ तीन कंपनियां निकल सकती हैं। बताया जा रहा है` कि हिंदूजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) रिलायंस कैपिटल की तीन बीमा कंपनियों को खरीदने की तैयारी में है।

सूत्रों के मुताबिक इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) अगले कुछ दिनों में इसे हरी झंडी दे सकता है। रेगुलेटर का मानना है कि रिलायंस कैपिटल एक बड़ी गैर-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है, बैंकरप्सी प्रॉसीडिंग में उलझ गई है और इसे कोर्ट द्वारा निर्धारित समयसीमा के भीतर बंद किया जाना चाहिए।

पिछले हफ्ते कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स ने आईआईएचएल को 27 मई की समयसीमा तक यह प्रक्रिया पूरी करने को कहा था। हालांकि कंपनी ने बैंकों को बताया था कि आईआरडीएआई की मंजूरी के बिना वह लेनदेन को पूरा नहीं कर पाएगी। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने रिलायंस कैपिटल के लिए आईआईएचएल की 9,650 करोड़ की समाधान योजना को 27 फरवरी को अपनी मंजूरी दी थी। एनसीएलटी ने आईआईएचएल को 90 दिनों की अवधि के भीतर यह सौदा पूरा करने का निर्देश दिया था। मार्च में एडमिनिस्ट्रेटर को लिखे पत्र में आईआरडीएआई ने इस डील के बारे में अपनी आपत्तियां व्यक्त की थीं। रेगुलेटर ने आईआइएचएल के डाइवर्स शेयरहोल्डिंग स्ट्रक्चर पर सवाल उठाया था जिसमें किसी के भी पास 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं है। आईआरडीएआई ने आईआईएचएल के शेयरधारकों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी थी। एक सूत्र ने बताया कि आईआईएचएल ने आईआरडीएआई के सभी सवालों का समाधान कर दिया है और उम्मीद है कि रेगलुटेर जल्दी इसे मंजूरी दे देगा।

कच्चे तेल में गिरावट, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में पहले के मुकाबले कुछ गिरावट देखी गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत घटकर 84 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 83.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 79.43 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

इंडिगो ने आईजीआई एयरपोर्ट पर दिव्यांग यात्रियों के लिए शुरू की विशेष सुविधा

नई दिल्ली । इंडिगो एयरलाइन दिव्यांग यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर खासतौर से नया चेकिंग काउंटर शुरू किया गया है जो दिव्यांग यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टर्मिनल 1 पर इंडिगो ने स्पेशली एबल्ड एयरलाइन स्टाफ को भी तैनात किया है। ये स्टाफ भी स्पेशली एबल्ड है, ताकि दिव्यांग यात्री सहज महसूस कर सकें। वहीं किसी तरह की परेशानी होने पर उनकी मदद की जा सके। इंडिगो में स्पेशली एबल्ड एयरलाइन स्टाफ वर्तमान में 20 है, जिसे आने वाले समय में आवश्यकता के आधार पर बढ़ाया जा सकता है। गौरतलब है कि सभी यात्रियों को किफायती, समय पर, परेशानी रहित यात्रा अनुभव देने के लिए ये शुरुआत की गई है। एयरलाइन ने दिव्यांगों की सहूलियत को ध्यान में रखकर इसकी शुरुआत की है। वहीं बा दें कि इंडिगो ऐसी एयरलाइन है जहां सुविधाएं, प्रौद्योगिकी, जानकारी, विशेषाधिकार विकलांग व्यक्ति के लिए सुलभ बनाए गए है। बता दे की इंडिगो की कोशिश है कि इंडिगो एयरलाइंस यात्रा करने के दौरान यात्रियों को किफायती, परेशानी मुक्त सफर समय पर मिल सके।इसके लिए इंडिगो ने केबिन क्रू सदस्यों को कैरी ऑन और सहायक उपकरणों के संबंध में स्पेशल ट्रेनिंग दी है। दिव्यांग यात्रियों की सहायता करने के लिए अतिरिक्त ग्रैब बार वाले टॉयलेट भी लगाए गए हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों और खरीदारी से बाजार की शुरुआत अच्छी रही पर बाद में आये दबाव से ये सीमित दायरे में पहुंच गया। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप 0.9 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.29 फीसदी पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 128.33 अंक करीब 0.17 फीसदी बढ़कर 74,611.11 अंक पर बंद हुआ। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 43.35 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस महाराष्ट्र दिवस पर बाजार बंद था जबकि इसके पहले मंगलवार को बाजार सुबह उपर आया पर दिन के अंत में में बढ़त गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह विश्व भर के बाजारों से` मिले अच्छे संकेतों की वजह से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 150 अंक बढ़कर 74,639 पर और एनएसई निफ्टी-50 41 अंक बढ़कर 22,646 पर पहुंच गया। टाटा मोटर्स, एमएंडएम, रिलायंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक ने सेंसेक्स पर बढ़त हासिल की, जबकि एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और एक्सिस बैंक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे!

ऐ शियाई बाजारों में भी गुरुवार को गिरावट के साथ कारोबार हुआ। गुरुवार की सुबह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय बैठक के बाद ब्याज दरों को अपरिवर्तित बनाए रखने के फैसले के बाद ज्यादातर एशियाई बाजारों में ये गिरावट आई। जापान का निक्की 225 0.29 फीसदी नीचे था, जबकि व्यापक आधारित टॉपिक्स सूचकांक 0.11 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ लगभग सपाट कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी बेंचमार्क सूचकांक जो पिछले कारोबारी सत्र में 2 फीसदी तक गिर गए थे, यूएस फेड बैठक के परिणाम के बाद मिश्रित नोट पर समाप्त हुए। डॉव में 0.23 फीसदी की वृद्धि के साथ 87.37 अंक की बढ़त हुई जबकि एसएंडपी 500 में 0.34 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.33 फीसदी की गिरावट रही।

अडाणी पावर के राजस्व में 37 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई ।

अडाणी पावर ने वित्तवर्ष 2024 के लिए राजस्व में 37 प्रतिशत की वृद्धि (साल-दर-साल) 50,960 करोड़ रुपये दर्ज की, जबकि कमाई (ईबीआईटीडीए) दोगुना से अधिक बढ़कर 18,789 करोड़ रुपये हो गई। वित्तवर्ष 2024 के लिए कर पूर्व समेकित लाभ (पीबीटी) पिछले वित्तवर्ष के 7,675 करोड़ रुपये की तुलना में दोगुना से अधिक 20,792 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा, चौथी तिमाही के लिए राजस्व 29 प्रतिशत बढ़कर 13,787 करोड़ रुपये (सालाना) हुआ और कमाई (ईबीआईटीडीए) से अधिक बढ़कर 5,273 करोड़ रुपये हो गया।

जनवरी-मार्च अवधि के लिए कर पूर्व समेकित लाभ वित्तवर्ष 23 की चौथी तिमाही में 898 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग चार गुना बढ़कर 3,558 करोड़ रुपये हो गया। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत अधिक टिकाऊ ऊर्जा भविष्य की ओर बढ़ रहा है, अडाणी कंपनियों का पोर्टफोलियो देश की आर्थिक वृद्धि का समर्थन करने और उसकी आकांक्षाओं को साकार करने में मदद करने के लिए नवीन, विश्‍ वसनीय और स्केलेबल समाधान प्रदान करना जारी रखेगा।

चौथी तिमाही के साथ-साथ वित्तवर्ष 24 के दौरान, मुंद्रा, नए चालू हुए गोड्डा प्लांट, उडुपी और महान के नेतृत्व वाले लगभग सभी संयंत्रों द्वारा उच्च मात्रा में योगदान दिया गया। कंपनी ने कहा कि पूरे भारत में बिजली की बढ़ती मांग के कारण घरेलू बिजली की बिक्री जारी रही और आयातित कोयले व वैकल्पिक ईंधन की गिरती कीमतों से बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत उठान को और समर्थन मिला।

अदाणी पावर लिमिटेड के सीईओ, एस.बी.ख्यालिया ने कहा, अदाणी पावर ने अपनी मूल शक्तियों का प्रदर्शन करते हुए एक और उत्कृष्ट तिमाही दर्ज की है, जिसमें एक वर्ष में असाधारण परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन रहा है, जो इसकी ठोस रणनीति और परिचालन उत्कृष्टता का एक उपयुक्त प्रमाण है। बिजली की मांग में सुधार, कम आयातित कोयले की कीमतों और बड़ी स्थापित क्षमता के कारण वित्तवर्ष 2024 में समेकित बिजली बिक्री की मात्रा 79.3 अरब यूनिट थी, जो वित्तवर्ष 23 में 53.4 अरब यूनिट से 48 प्रतिशत अधिक थी।

फेड ने प्रमुख दरों में नहीं किया है कोई बदलाव

मुंबई ।

फेडरल रिजर्व ने प्रमुख दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। फेडरल रिजर्व के मुताबिक महंगाई में अनुमान के मुताबिक बदलाव न दिखने की वजह से दरों को स्थिर रखा गया है। फेडरल रिजर्व ने बैठक के बाद जारी स्टेटमेंट में कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी को लगता है कि जब तक इस बात का भरोसा नहीं मिल जाता कि महंगाई दर 2 फीसदी के तय लक्ष्य की ओर स्थिरता के साथ बढ़ रही है तब तक दरों में कटौती करना सही नहीं होगा। फेडरल रिजर्व के मुताबिक साल 2024 के शुरुआती महीनों में ऐसे बहुत कम संकेत मिले हैं जिनसे इस बात का भरोसा मिले की महंगाई दर काबू में आ रही है। ये लगातार छठी बार रहा है जब फेडरल रिजर्व ने दरों को स्थिर रखा है। दरें फिलहाल 5.25 से 5.5 फीसदी के स्तर पर स्थिर बनी हुई हैं। इसके साथ ही ब्याज दरें 23 साल के उच्चतम स्तर पर बनी हुई हैं। इससे पहले बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने के लिए फेडरल रिजर्व ने मार्च 2022 से दरों में बढ़ोतरी शुरू की थी और जुलाई 2023 तक दरों में 5.25 फीसदी की बढ़त की थी। जुलाई 2023 से फेडरल रिजर्व ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

दबाव के बावजूद रुस से तेल खरीदकर मोदी सरकार ने बचाए करोड़ों रुपये

नई दिल्ली ।

पश्चिमी दबाव के बावजूद रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी रखने की भारत की रणनीति के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 11 महीनों के दौरान देश के तेल आयात बिल में करीब 7.9 अरब डॉलर की बचत हुई है। इससे देश को चालू खाता घाटा कम करने में भी मदद मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मॉस्को के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस के साथ अपने संबंध बनाए रखने के लिए दृढ़ है। केप्लर और एलएसईजी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, इस साल अप्रैल के दौरान भारत ने एक महीने पहले की तुलना में अधिक रूसी तेल का आयात किया, लेकिन इराक और सऊदी अरब से कम आयात किया।

आंकड़ों से साफ होता है कि अप्रैल के दौरान आयात 13-17 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल में रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता रहा, उसके बाद इराक और सऊदी अरब का नंबर आया। आंकड़ों से पता चलता है कि इराक से तेल आयात में 20-23 प्रतिशत की गिरावट आई है। चूंकि भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है, रूसी तेल की इन बड़ी खरीद ने विश्व बाजार में कीमतों को अधिक उचित स्तर पर रखने में मदद की है, जिससे अन्य देशों को भी लाभ हुआ है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि मात्रा के संदर्भ में वित्तवर्ष 2024 के 11 महीनों में रूस से आयातित कच्चे पेट्रोलियम की हिस्सेदारी वित्तवर्ष 2022 में 2 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई, जबकि पश्चिम एशियाई देशों (सऊदी अरब) से संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत) 34 प्रतिशत से घटकर 23 प्रतिशत पर आ गया। रूसी तेल पर छूट से तेल आयात बिल में भारी बचत हुई।

रिपोर्ट के अनुसार, रूस से आयात का अनुमानित इकाई मूल्य वित्तवर्ष 2023 और वित्तवर्ष 2024 के 11 महीनों में पश्चिम एशिया से संबंधित स्तरों की तुलना में क्रमशः 16.4 प्रतिशत और 15.6 प्रतिशत कम था।

मारुति सुजुकी ने अप्रैल में बेचीं 1.68 लाख कारें

नई दिल्ली ।

देश की वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की अप्रैल महीने में कुल बिक्री 4.7 प्रतिशत बढ़कर 1,68,089 इकाई रही। कंपनी ने अप्रैल, 2023 में 1,60,529 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा` कि घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 1,37,952 इकाई रही, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1,37,320 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों की बिक्री अप्रैल, 2023 के 14,110 इकाई की तुलना में घटकर पिछले महीने 11,519 इकाई रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री भी पिछले महीने घटकर 56,953 इकाई रह गई, जो पिछले साल अप्रैल में 74,935 इकाई थी। ब्रेज़ा, एर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 56,553 इकाई रही, जबकि

अप्रैल, 2023 में यह 36,754 इकाई थी। अप्रैल में वैन की बिक्री 12,060 इकाई रही, जबकि एक साल पहले यह 10,504 इकाई थी।

हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री अप्रैल, 2023 के 2,199 इकाई से पिछले महीने बढ़कर 2,496 इकाई हो गई। एमएसआई के अनुसार, पिछले महीने उसका निर्यात 22,160 इकाई रहा, जबकि पिछले साल अप्रैल में यह 16,971 इकाई रहा था।

डीजीसीए ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल किया

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद लिया गया फैसला

मुंबई ।

एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने गो फर्स्ट एयरलाइन के सभी 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर दिया है। इससे पट्टेदारों को राहत मिली है। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने एयरलाइन के 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल करने का आदेश दिया था। पिछले शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद ये फैसला` लिया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि रजिस्ट्रेशन कैंसिलेशन को पांच कार्य दिवस के भीतर करना है। इससे अटके हुए विमानों से संबंधित तमाम अन्य मुद्दों पर पट्टेदारों को राहत प्रदान करने की जरूरत बताई गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति तारा वितस्ता गंजू ने पिछले शुक्रवार को पट्टेदारों को लंबे समय से खड़े विमानों को लेकर रखरखाव की मंजूरी दे दी थी। बशर्ते उन्हें भारतीय कानून के अनुसार डी-रजिस्टर और निर्यात नहीं कर दिया जाता। कोर्ट ने कहा था, प्रतिवादी डीजीसीए और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) याचिकाकर्ता पट्टेदारों की सहायता करेंगे और उन्हें हवाई अड्डों तक पहुंच प्रदान करेंगे। गो एयर और एयरलाइन के रेजोल्यूशन प्रफेशनल्स (आरपी) को किसी भी विमान तक पहुंचने, उसमें प्रवेश करने या उसे संचालित करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही विमान से सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, दस्तावेज और रिकॉर्ड को हटाने, बदलने से भी रोक दिया गया है। टाटा की एयर इंडिया और वित्तीय रूप से मजबूत इंडिगो दोनों ने लगभग 15 एयरबस ए320 फैमिली प्लेन्स को खरीदने के लिए पट्टादाताओं से संपर्क किया है। उन्हें अपेक्षाकृत जल्दी उड़ान भरने योग्य बनाया जा सकता है। बाकी विमानों को प्रैट एंड व्हिटनी से अपने खराब इंजन, पुर्जों के रिप्लेसमेंट के लिए प्रतीक्षा करनी होगी। वह कई महीनों से इंडिगो को उन्हें उपलब्ध कराने में असमर्थ है। इसके चलते इंडिगो के 75 से अधिक विमान खड़े हैं। गौरतलब है` कि गो फर्स्ट एयरलाइन ने पिछले साल 2 मई, 2023 को परिचालन बंद कर दिया था और कंपनी जमीन पर आ गई थी।

रियल एस्टेट खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ हुआ

- पिछले साल से 3 गुना बढ़ गया निवेश

नई दिल्ली ।

आवासीय रियल एस्टेट खंड में निवेश मार्च तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 5,743 करोड़ रुपये हो गया। एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी के अनुसार यह रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल प्रवाह का 63 प्रतिशत है। बुधवार को जारी पूंजी बाजार की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च तिमाही के दौरान रियल एस्टेट में निवेश बढ़कर 9,124 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान अवधि में 8,830 करोड़ रुपये था।

रिपोर्ट के अनुसार कुल निवेश में से आवासीय खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 1,735 करोड़ रुपये था। कार्यालय संपत्तियों में निवेश मामूली बढ़कर` वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 2,248 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,180 करोड़ रुपये था हालांकि, मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं में निवेश मार्च तिमाही में घटकर 865 करोड़ रुपये रह गया, पिछले साल समान तिमाही में 1,645 करोड़ रुपये था। औद्योगिक और लॉजिस्टिक खंड में भी मार्च तिमाही में 268 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल की समान तिमाही में 2,170 करोड़ रुपये था। होटल परियोजनाओं में निवेशकों ने समीक्षाधीन तिमाही में कोई रुचि नहीं दिखाई। हालांकि पिछले साल समान तिमाही में इस खंड में 1,100 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

केकेआर और मुम्बई इंडियंस में मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला करेगी। इस मैच में केकेआर जीत के साथ ही अपनी लय बरकरार रखने उतरेगी। केकेआर इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। केकेआर इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और मजबूत करना चाहेगी। उसने इस सत्र में 9 मैच में से 6 में जीत दर्ज की है और उसके 12 अंक हैं। वहीं मुम्बई ने केवल तीन मैच जीते हैं और छह अंक ही होने के कारण वह प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। मुम्बई की टीम अंकतालिका में 9वें स्थान पर है। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनान रहेगा क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी की सहायक रही है। यहां जमकर चौके और छक्के भी लगते हैं। पिच पर अच्छी उछाल के कारण गेंद आसानी से बल्ले पर आती है। ऐसे में 200 रन का स्कोर भी यहां आराम से हासिल किया जा सकता है। इस मैदान पर दिल्ली

कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मुंबई ने 234 रन बनाये थे। ऐसे में इस मैच में बड़े स्कोर देखने को मिलेंगे। मुम्बई की टीम के बल्लेबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम के पास रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी हैं पर टीम में निरंतरता की कमी है। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया है। वहीं केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, फिलिप साल्ट जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। वहीं सुनील नरेन जैसा ऑलराउंडर है। नरेन ने इस सत्र में जबरदस्त बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी की है, कप्तान श्रेयस अय्यर हालांकि अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम के पास रिंकि सिंह , आद्रे रसेल जैसे हिटर हैं। पिछले मैच में हर्षित राणा ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। कुल मिलाकर मैच रोमांचक होने की उम्मीद है।

टीम

मुंबई = हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, टिम डेविड, इशान किशन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, श्रेयस गोपाल, अंशुल कंबोज, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, रोमारियो शेफर्ड, तिलक वर्मा, जसप्रित बुमरा , गेराल्ड कोएत्जी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, ल्यूक वुड, क्वेना मफाका।

केकेआर = श्रेयस अय्यर (कप्तान), श्रीकर भरत, मनीष पांडे, रहमानुल्लाह गुरबाज, रमनदीप सिंह, नितीश राणा, शेरफेन रदरफोर्ड, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, आद्रे रसेल, वैभव अरोड़ा, दुष्मंथा चमीरा, हर्षित राणा, मुजीब उर रहमान, चेतन सकारिया, मिशेल स्टार्क, सुयश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, साकिब हुसैन, अंगकृष रघुवंशी, फिलिप साल्ट।

आईपीएल 2024 : तेज गेंदबाज मयंक यादव शेष लीग मैचों से हो सकते हैं बाहर

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव मंगलवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच के दौरान पेट में दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गए। अब उनके आईपीएल 2024 के शेष लीग मैचों से बाहर होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि उनके ठीक होने में पहले की अपेक्षा अधिक समय लगेगा।

सूत्र ने कहा, 'वह बुरी स्थिति में नहीं हैं, लेकिन शेष मैचों में उनकी भागीदारी संदेह में है, भले ही फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट के प्रमुख भाग के लिए उनकी सेवा सुरक्षित करना चाहती है। वह बुधवार को स्कैन के लिए गए और रिपोर्ट अभी भी आनी बाकी है। मेडिकल टीम ने कम से कम तीन सप्ताह के आराम का सुझाव दिया है, तभी वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे।'

मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने मंगलवार को एमआई के खिलाफ मैच के बाद मयंक की चोट पर अपडेट देते हुए कहा था, 'ऐसा लग रहा है कि उसे उसी जगह पर चोट लगी है, उसका रिहैब बिल्कुल सही रहा है, उसने पिछले कुछ हफ्तों में दर्द रहित गेंदबाजी की है, वह ठीक दिख रहा है। हम अच्छी स्थिति में हैं, स्कैन होगा और हमें कल पता चलेगा।'

सूत्रों ने दावा किया कि मयंक एमआई के खिलाफ मैच के लिए 'फिट नहीं थे', लेकिन तीन सप्ताह में पांच मैच मिस करने के बाद प्लेइंग इलेवन में लौट आए क्योंकि कप्तान केएल राहुल उन्हें चाहते थे।' 21 वर्षीय तेज गेंदबाज मंगलवार को हुए मुकाबले के दौरान शायद ही अपनी लय में दिखे क्योंकि उन्हें अपनी लैंथ से संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने ज्यादातर फुलर गेंदें फेंकी और मोहम्मद नबी का विकेट लेने से पहले 3.1 रन देकर 31 रन दिए।

गौर हो कि इस तेज गेंदबाज ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ अपने पहले मैच में अपनी तेज गति से क्रिकेट जगत का ध्यान आकर्षित किया। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने लगातार 145 से ऊपर गेंदबाजी की और 155.8 किमी/घंटा की शीर्ष गति के साथ 27 रन देकर 3 विकेट लिए। एलएसजी टूर्नामेंट का अपना आखिरी लीग मैच 17 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेगा।

प्लेऑफ के लिए दिल्ली , गुजरात और पंजाब की उम्मीदें शीर्ष पांच टीमों के परिणामों पर निर्भर

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में जहां मुम्बई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स आरसीबी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं तीन टीमों का प्लेऑफ में पहुंचना बचे हुए मैचों में जीत के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर करेगा। इसका कारण है कि ये तीन टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग अब अपने-अपने सारे मैच जीत लें तो भी अधिकतम 16 अंक तक ही पहुंच सकती हैं। इस प्रकार से इन तीनों के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना तो बनी है पर ऐसा तभी होगा जब अंक तालिका की शीर्ष-5 में से कम से कम दो या तीन टीमें अपने ज्यादातर मैच हार जाएं। आईपीएल 2024 के लिए प्लेऑफ का वास्तविक मुकाबला इन पांच शीर्ष टीमों के बीच ही है। राजस्थान रॉयल्स अगर अपने बाकी बचे 5 मैचों में से एक भी जीत ले तो उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के 12-12 अंक हो गये हैं। अगर ये दोनों टीमें अपने बाकी बचे 5 में से 3 मैच जीत जाएं तो भी आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के अभी 9-9 मैचों में से 10-10 अंक हैं। ऐसे में इन दोनों टीमों के बीच ही प्लेऑफ की चौथी टीम के लिए कड़ी टक्कर होगी।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को तीसरे टी20 में हराया, 3-0 से सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 मैच में 7 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सिलहट में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 117 रन ही बनाए। जिसके जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा (51) और स्मृति मंधाना (47) की पारियों की बदौलत 19वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

बता दें कि, बांग्लादेश के 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (51 रन, 38 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और स्मृति मंधाना (47 रन, 42 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ उनकी पहले विकेट 91 रन की साझेदारी की। इस साल टी20 महिला विश्व कप बांग्लादेश में ही होना है और इसलिए भारतीय टीम का यह प्रदर्शन काफी अहम है।

वहीं बांग्लादेश की टीम इससे पहले सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (25 गेंद में 39 रन) और कप्तान निगार सुल्ताना (28) की उम्दा पारियों के बावजूद 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी। भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर

और श्रेयंका पाटिल को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को शेफाली और स्मृति ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े।

स्मृति ने मारूफा अख्तर जबकि शेफाली ने फारिहा त्रिशना पर चौके से खाता खोला। शेफाली ने शोरिफा खातून का स्वागत तीन चौकों के साथ किया जबकि नाहिदा अख्तर पर भी लगातार तीन चौके मारे। शेफाली ने फाहिमा खातून की गेंद पर एक रन के साथ नौवां अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में रितु मोनी को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठीं। स्मृति ने राबेया पर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन नाहिदा की गेंद पर फाहिमा के हाथों लपकी गई।

अगले साल भारत में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप : बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय

उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' इस टूर्नामेंट की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं बीडब्ल्यूएफ के थॉमस और उबेर कप फाइनल्स का अगला सत्र डेनमार्क के होर्सेन्स में होगा।

धोनी जैसे फिनिशर बन सकते हैं रिंकू : सिद्धू

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का मानना है कि रिंकू सिंह एक बेहतरीन फिनिशर हैं और वह इस भूमिका में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सकते हैं। धोनी के संन्यास के बाद से ही भारतीय टीम किसी अच्छे फिनिशर की तलाश में है और सिद्धू का मानना है कि ये रिंकू से पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि रिंकू इस मामले में टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे। रिंकू ने कुछ मैचों में भारतीय टीम के लिए अपनी प्रतिभा दिखाई है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए वह फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं। रिंकू को इस सत्र में अब तक बल्लेबाजी कौशल दिखने का पूरा अवसर नहीं मिला है। सिद्धू ने कहा, रिंकू धोनी की जगह ले सकते हैं। वह दिग्गज खिलाड़ी की तरह खेल खत्म कर सकते हैं। रिंकू काफी प्रतिभाशाली है और मैदान के सभी हिस्सों में शॉट लगाने में सक्षम है। इसके साथ ही स्वभाव की बात करें तो वह धोनी की तरह ही वह शांत और तनावमुक्त रहता है। कठिन अवसरों पर भी बल्लेबाजी करते समय वह दबाव में नहीं आता और खुलकर बल्लेबाजी करता है। ऐसे में वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं और अवसर दिये जाने पर वह वह लंबे समय तक टीम के लिए फिनिशर की जिम्मेदारी निभा सकता है।

एफआईएच प्रो लीग : सविता की बजाय सलीमा टेटे को मिली महिला हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडफील्डर सलीमा टेटे को अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और इंग्लैंड चरण के लिये भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है।

सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं।% उन्होंने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है।'

सविता ओलंपिक क्वालीफायर और उसके बाद प्रो लीग

मैचों में भारत की कप्तान रही थी। बेल्जियम में मैच 22 से 26 मई तक और इंग्लैंड में एक से नौ जून तक होंगे। भारत का सामना पहले चरण में दो बार अर्जेंटीना और बेल्जियम से होगा। लंदन चरण में टीम ब्रिटेन और जर्मनी से खेलेगी। भारत इस समय प्रो लीग तालिका में छठे स्थान पर है। सलीमा को हाल ही में हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला था।

भारतीय महिला टीम

गोलकीपर: सविता, बिछू देवी खारीबाम

डिफेंडर : निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी

मिडफील्डर: सलीमा टेटे (कप्तान), वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नवनीत कौर, नेहा, ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, लालरेम्सियामी

फॉरवर्ड : मुमताज खान, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग

पाकिस्तान ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 10 मई से आयरलैंड और 22 मई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 मुकाबलों के लिए टीम घोषित कर दी है। इसमें टीम की कप्तानी बाबर आजम करेंगे। वहीं तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को टीम में शामिल किया गया है पर लेग स्पिनर उसामा मीर को को बाहर कर दिया गया है। चयनसमिति के अनुसार टी20 विश्वकप के लिए इन दोनो ही सीरीजों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर होगी। पाक टीम आयरलैंड में तीन मैचों की सीरीज 10 मई से और इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की सीरीज 22 मई से खेलेगी। रज्जाक ने कहा कि टीम में पहले से ही शादाब खान और अबरार अहमद जैसे स्पिनर हैं इसलिए उसामा को जगह नहीं मिली है।

पाकिस्तानी टीम इस प्रकार है- बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, आजम खान, सईम अयूब, फखर जमां, इफ्तिखार अहमद, इरफान खान नियाजी, अबरार अहमद, हसन अली, हारिस रऊफ , शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद आमिर, इमाद वसीम, नसीम शाह, शादाब खान, उस्मान खान, अब्बास अफरीदी और आगा अली सलमान।

चार भारतीय एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीत लिया जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौर में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते।

भारत की टी20 विश्व कप टीम पर बोले कुमार संगकारा- यह बेहद मजबूत टीम है

स्पोर्ट्स डेस्क। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम की सराहना की और इसे 'बेहद मजबूत' दस्ता बताया। भारत अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 05 जून 2024 को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा, इसके बाद 09 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। इसके बाद भारत क्रमशः 12 और 15 जून को अमेरिका और कनाडा से खेलेगा।

आईपीएल 24 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के मैच से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगकारा ने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए मेन इन ब्लू की टीम में 'उच्च गुणवत्ता वाला' स्पिन आक्रमण है। संगकारा ने कहा, 'यह बेहद मजबूत टीम है। उनके पास बल्लेबाजी है, उनके पास हरफनमौला खिलाड़ी हैं, उनके पास बहुत उच्च गुणवत्ता वाली स्पिन है और उनके पास बहुत अच्छा संयोजन है जिसे वे खेल सकते हैं।'

पूर्व श्रीलंकाई विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारत के पास आगामी आईसीसी आयोजन के लिए 'अच्छी तरह से संतुलित' टीम है। संगकारा ने यह भी बताया कि भारत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हमेशा मजबूत रहा है।

उन्होंने कहा, 'वहां की परिस्थितियों को जानने के बाद मुझे यकीन है कि राहुल (द्रविड़) और रोहित (शर्मा) को इस बात का अच्छा अंदाजा है कि विश्व कप में अपनी इच्छानुसार क्रिकेट खेलने के लिए टीम कैसी होनी चाहिए। उनके पास दो या तीन अलग-अलग खिलाड़ी होंगे। संयोजन, यह इस पर निर्भर करता है कि वे गहरी बल्लेबाजी लाइन-अप चाहते हैं या अपनी गेंदबाजी में अधिक ताकत चाहते हैं, लेकिन यह वास्तव में एक अच्छी तरह से संतुलित, बहुत मजबूत टीम है और भारत हमेशा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में बहुत मजबूत रहा है।'

भारत ने ऋषभ पंत और संजू सैमसन सहित दो विकेटकीपरों को अपनी टीम में शामिल किया है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, जो मौजूदा आईपीएल 2024 में रनों का अंबार लगा रहे हैं, को भी टीम में शामिल किया गया है। रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में शुबमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान को रखा गया है। भारत को आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप ए में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल , अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

अमिताभ ने भारतीय क्रिकेट टीम का हौंसला बढ़ाया

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए महानायक अमिताभ बच्चन ने भारतीय टीम का हौसला बढ़ाया है। अमिताभ ने अपनी आने वाली फिल्म कल्कि के अश्वत्थामा के किरदार में भारतीय खिलाड़ियों को संदेश दिया है। अमिताभ के ये विशेष संदेश वाली वीडियो नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 एडी के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया गया है। इस वीडियो की शुरुआत में अमिताभ कह रहे हैं, ये महायुद्ध है, अब हो जा तू तैयार। अब बन जा वीर, बुलंद कर अपनी तकदीर, दिखा दम, लगा दम। अमिताभ बच्चन जैसे-जैसे कविता पढ़ रहे हैं, वीडियो में बैकग्राउंड में कल्कि 2898 एडी का म्यूजिक चल रहा है। साथ ही, इस वीडियो में भारतीय टीम के खिलाड़ी कप्तान शर्मा, विराट कोहली, और हार्दिक पांडेया के साथ-साथ वीडियो में पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, और हरभजन सिंह भी नजर आ रहे हैं। अमिताभ की फिल्म कल्कि 2898 एडी जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अमिताभ अश्वत्थामा का किरदार निभा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिटनेस का पंच

शरीर को हेल्थी बनाए रखने के लिए तमाम बॉडी पार्ट मिल-जुलकर काम करते हैं। इन्हें हमेशा फिट रखने के लिए जरूरी है इन पर थोड़ा-सा ध्यान। अगर आपके बॉडी पार्ट्स दुरुस्त रहेंगे तो आप भी हेल्थी रहेंगे।

1. ब्रेन लाइफस्टाइल – ब्रेन को हेल्थी रखने के लिए सोने और जागने का सही रूटीन फॉलो करें। हर हाल में 7-8 घंटे जरूर सोएं।

- अपने रूटीन में रीडिंग या रोज एक क्रॉसवर्ड सॉल्व करना और नई स्किल्स जैसे ड्राइविंग, नई भाषा, टाइपिंग सीखने जैसी दिमाग तेज करने वाली ऐक्टिविटीज शामिल करें। इसके लिए आप मोबाइल ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।
- रोजमर्रा का हिसाब-किताब रखने के लिए कैलक्युलेटर की जगह दिमाग का इस्तेमाल करें। कुछ जरूरी मोबाइल नंबर याद रखें।
- सोशली ऐक्टिव रहें और दोस्त बनाएं। अगर किसी सोशल वर्क में हाथ बंटाने का मन करे तो उसमें शामिल हों।
- वजन काबू में रखें।

डायट

- ड्राई फ्रूट्स दिमागी सेहत के लिए अच्छे हैं। सुबह ही 12 से 24 घंटे तक पानी में भीगे हुए 7-8 बादाम और 1-2 अखरोट खाएं।
- दिमाग के लिए जरूरी विटामिन ई से भरपूर डायट लें, जैसे = फलों का जूस, दूध, अंडा, हरी पत्तेदार सब्जियां, आदि।
- रंगबिरंगे फलों में पॉलीफेनॉल होता है, जो दिमाग की सेहत के लिए अच्छा है। इसके लिए काले अंगूर, स्ट्रॉबरी, आड़ू, आलू बुखारा और टमाटर आदि लें।
- जिन चीजों को खाने-पीने से शरीर में पानी की कमी होती है, वे ब्रेन के लिए बुरी हैं, मसलन = ऐल्कोहॉल, कैफीन (कॉफी, चाय, कोला ड्रिंक्स) और ज्यादा नमक। रोज कम से कम 8-10 गिलास (2 लीटर) पानी पिएं।
- 4-5 गाजर रोज खाएं। गाजर में ल्यूटिओलीन होता है, जो बढ़ती उम्र के साथ मेमरी घटने की समस्या को कम करता है।

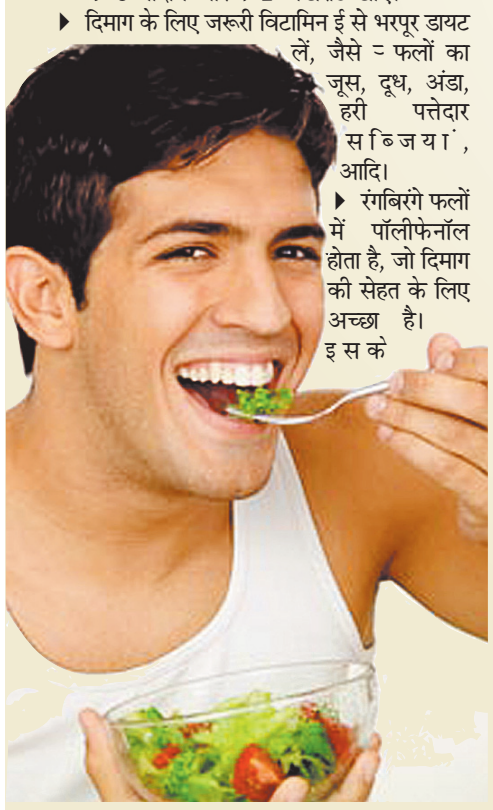

2. आंखें

लाइफस्टाइल

- अगर कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं तो स्क्रीन का टॉप आंख के लेवल से कुछ नीचे रखें।
- कंप्यूटर पर काम करते वक्त हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए 200 मीटर दूर देखें। हर 2 घंटे पर चेयर से उठें और कुछ चहलकदमी करें।
- अल्ट्रावॉयलट रे से होने वाले नुकसान से बचने के लिए धूप में यूवी प्रोटेक्शन वाला चश्मा लगाएं।
- आंखों का रेग्युलर चेकअप जरूर करवाएं।
- अगर कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं तो उसके कवर को 2-3 महीने में बदल दें।

डायट

- ऐंटि-ऑक्सिडेंट्स, विटामिन ई और विटामिन सी से भरपूर चीजें जैसे स्ट्रॉबरी, संतरा, अंगूर, गाजर आदि खाने से आंखें हेल्थी रहती हैं।
- जितना हो सके हरी सब्जियों को खुराक में शामिल करें।
- अंडे के पीले भाग को खाएं। इसमें ट्यूटाइन और जेक्सनथाइन के साथ ही जिंक भी होता है, आंख में मौजूद मैकुला के लिए फायदेमंद है।
- खुबानी (ऐप्रिकॉट) खाएं। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन और लाइकोपेन विजन को सही बनाए रखने में मदद करते हैं।
- विटामिन ई की भरपूर खुराक लें। सुबह ही 12 से 24 घंटे तक पानी में भीगे हुए 7-8 बादाम और 1-2 अखरोट खाएं।

3.हार्ट

लाइफस्टाइल

- पब्लिक ट्रांसपोर्ट (बस, ऑटो, ट्रेन, आदि) अगर घर से 2 किलोमीटर के दायरे में हैं तो पैदल चल कर जाएं।
- सिर्फ वजन ही नहीं, कमर के घेरे को भी कंट्रोल में रखें।
- स्मोकिंग और एल्कोहॉल धीरे-धीरे बंद कर दें।
- एस्केलेटर और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का सहारा लें।
- स्ट्रेस (तनाव) को काबू में रखें । इसके लिए म्यूजिक, मेडिटेशन या टीवी पर आने वाले कॉमेडी शोज की मदद लें।

डायट

- रिफाइंड और पॉम ऑयल से बचें। सरसों, कनोला, मूंगफली, सूरजमुखी और ऑलिव ऑयल हार्ट के लिए अच्छे होते हैं, लेकिन इन्हें बदल-बदल कर लें। रोजाना 3 छोटे चम्मच से ज्यादा ऑयल न लें।
- रोज के खाने में टमाटर (सलाद में) और सेब को जरूर शामिल करें। टमाटर और सेब में मौजूद विटामिन %के% ब्रेन की अंदरूनी ब्लीडिंग को रोकता है।
- मौसमी हरी पत्तेदार सब्जियां लें। इनमें कैलरी कम और फाइबर ज्यादा होता है। इनसे दिल की बीमारी का खतरा कम होता है।
- बटर (नमकीन और सादा), कोकोआ बटर (चॉकलेट में यूज होने वाला बटर), क्रीम आदि को डायट में कम शामिल करें।
- हार्ट के लिए ओमेगा 3 फैटी एसिड्स से भरपूर बादाम खाएं। 7-8 बादाम 12 से 24 घंटे तक पानी में भिगो कर सुबह लें।

4. लिवर

लाइफस्टाइल

- ज्यादा खाना, मोटापा और पेट के आसपास ज्यादा जमा फैट लिवर की परेशानी को बुलावा देता है।
- रोजमर्रा की जिंदगी में सफाई का ध्यान रखें। साफ पानी पिएं और ताजा व साफ-सुथरा खाना खाएं।
- अनसेफ तरीके की पियर्सिंग (छिदवाना) और टैटू बनवाने के अलावा अनसेफ सेक्स भी लिवर की खतरनाक बीमारियों को आप तक पहुंचा सकता है।
- ऐल्कोहॉल लेने से लिवर में सूजन आ सकती है।
- तेजी से वजन घटाने के लिए ली गई गोलियां भी लिवर पर बुरा असर डालती हैं।

डायट

- रोज 2-3 अखरोट 12-24 घंटे तक पानी में भिगो कर सुबह लें। इसमें हाई ग्लूटाथायोन और ओमेगा 3 फैटी एसिड्स होते हैं। इनसे लिवर की सफाई होने में मदद मिलती है।
- रोज 1-2 कप ग्रीन टी पिएं। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन्स लिवर के लिए फायदेमंद है।
- सुबह खाली पेट एक बड़ा गिलास गुनगुना नींबू पानी पिएं। इससे लिवर तो साफ होगा ही, पाचन भी सुधरेगा।
- खाना बनाने में चुटकी भर हल्दी का इस्तेमाल भी फायदेमंद है। हल्दी लिवर के इन्फेक्शन को ठीक करती है।
- रोज 6-7 लहसुन की कलियां लें यह लीवर को साफ करता है।

5. फेंफड़े

लाइफस्टाइल

- अगर आपको खर्राटे आते हैं तो डॉक्टर को दिखाएं। खर्राटे फेफड़ों को उतना ही नुकसान पहुंचाते हैं जितना स्मोकिंग।
- सिगरेट पीना बिल्कुल बंद कर दें।
- धूल और धुएं से भरे डस्ट मास्क लगाएं।
- सांस से जुड़ी किसी परेशानी, जैसे पुरानी खांसी, कफ के साथ खून आने को गंभीरता से लें।
- माइनिंग, कंस्ट्रक्शन, बेकरी और टेक्सटाइल जैसे पेशों से जुड़े लोगों को रेग्युलर चेकअप करवाते रहना चाहिए।

माहौल में जाने से बचें। अगर जाना जरूरी हो तो मुंह और नाक ढंक लें। हो सके तो

कैसे पाएं गर्मी से राहत?

गर्मी से राहत पाने में कौन-से तरीके कारगर हो सकते हैं? गर्मी के मौसम के हिसाब से अपने शरीर को ढालने के लिए खान-पान, रहन-सहन और कपड़ों पर खास ध्यान देना पड़ता है। कुछ चीजों पर गौर कर आप गर्मी से पार पा सकते हैं...

शरबत पीएं – गर्मी में कुछ ही देर में हमारा गला सूखने लगता है। मन करता है कुछ ऐसा मिल जाए, जिससे गला तर हो जाए। भले ही बाजार में कितनी भी कोल्ड ड्रिंक या सॉफ्ट ड्रिंक आ जाएं, लेकिन शरबत का कोई तोड़ नहीं हो सकता। गर्मियों में खुद को ठंडा रखने के लिए जरूरी है कि शरीर में पानी की कमी न हो। खीरा, तरबूज, खरबूज में काफी मात्र में पानी होता है। इन्हें खाएं।

नीबू की शिकंजी – नीबू और चीनी के इस घोल में ग्लूकोज की मात्र खूब होती है। इसे पीने से ताजगी आती है और शरीर में ग्लूकोज की कमी नहीं होती।

आम पना – कच्चा आम, पुदीना, सौंफ, जीरा, हींग और नमक को मिलाकर बनाया हुआ खट्टा पना पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। यह लू में भी असरदार है।

लस्सी – दही से बनने वाली लस्सी पौष्टिकता से भरपूर एक स्वादिष्ट पेय है। जिन लोगों को दही पसंद है, वे गर्मियों में भिन्न-भिन्न प्रकार की लस्सी पी सकते हैं।

फलों का शरबत – गर्मियों में फलों के शरबत का मुकाबला दूसरा पेय नहीं कर सकता। आप किसी भी फल से बढिया मीठा शरबत बना सकती हैं। बेल, आम, अंगूर, संतरा, खरबूजा, तरबूज, चीकू जैसे फलों में चीनी और बर्फ मिलाकर शरबत बनाएं।

ठंडी चीजों के बारे में सोचें- एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हम जो सोचते हैं, वही महसूस भी करते हैं। अगर हम किसी बर्फीले क्षेत्र के बारे में पढ़ते हैं या ऐसी जगह की तस्वीर देखते हैं तो हमें ठंडक महसूस होती है। इसलिए जितना हो सके, ठंडी चीजों के बारे में सोचें। इससे भले ही आपको शारीरिक रूप से ठंडक महसूस न हो, पर मानसिक तौर पर ठंडक महसूस होगी और आपको अच्छा लगेगा।

इस गर्मी में कुछ ठंडा हो जाए

चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए मार्केट में इन दिनों कई तरह के कोल्ड ड्रिंक्स अवेलेबल हैं। खास बात यह है कि इनसे आपका गला तो तर होता ही है, साथ ही सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं:

तरबूज का जूस

तरबूज गर्मियों में खूब मिलते हैं, तो इसका जूस आप पी सकते हैं। इसमें वह सभी मिनरल्स हैं, जो बॉडी को चाहिए। इसे रेग्युलर पीने से आपका वजन नहीं बढ़ेगा। इसमें मैग्निशियम, फास्फोरस, आयरन और बिटा कैरोटिन होता है जो सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

पपीते का जूस

पपीते का जूस ठंडा होता है और बहुत जल्दी डाइजेस्ट भी हो जाता है। कई शॉप्स पर इन दिनों पपीते का जूस मिल रहा है। जिन्हें डाइजेशन की प्रॉब्लम है, उनके लिए यह फायदेमंद फ्रूट है।

लेमन वॉटर

लेमन विटामिन सी का अच्छा सोर्स है। लेमन को ठंडे पानी में निचोड़कर इसमें काला नमक, जीरा पाउडर और थोड़ा चाट मसाला डाल दें। इससे ठंडक मिलती है। लेमन वॉटर में कई फ्लेवर्स भी हैं, जिसमें मसाला नीबू पानी, खट्टा नीबू पानी सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

दांतों से न करें यह 10 खिलवाड़

फिट शरीर के कुंजी हैं फिट दांत

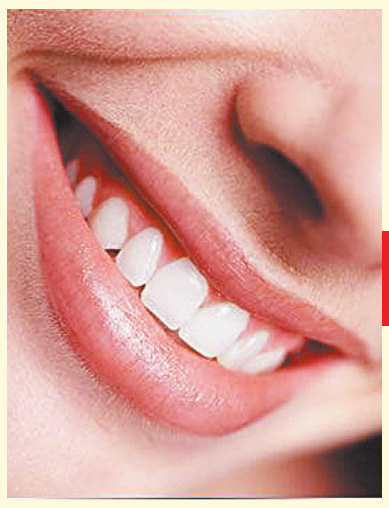

1.रेग्युलर चेकअप से परहेज – नियमित रूप से अपने दांतों का चेकअप करना दांतों की देखभाल के लिए बहुत जरूरी है। आपको अपने दांतों में दर्द, सड़न, सेंसिटिविटी होने तक का इंतज़ार नहीं करना चाहिए। साल में एक बार डेंटिस्ट से चेकअप कराएं। इससे होने वाली परेशानी को पहले ही रोक सकेंगे।

2. परेशानी को भूल जाना – किसी भी परेशानी को जरा आराम मिलते ही भूल जाना दांतों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। फॉलोअप यानी जांच , इलाज के बाद और बीच में बहुत जरूरी होती हैं, आपका ट्रीटमेंट कुछ भी हो लेकिन अगर डेंटिस्ट ने आपको फिर से चेकअप के लिए कहा है तो जरूर कराएं। खासतौर पर अगर रूट कैनाल, दांत निकलवाना. मसूड़ों की सर्जरी जैसी स्थिति में घाव भरते और कंडिशन के पूरी तरह से नॉर्मल होते वक्त लगता है इसलिए रेग्युलर फॉलोअप करें।

3.खुद बने दांत का डॉक्टर – किसी भी दवा के बिना डॉक्टरी सलाह के लेना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए जब भी आपको दांत, मुंह या शरीर के किसी अन्य हिस्से में कोई परेशानी महसूस हो तो डॉक्टर के पास जाएं न कि पुराने नुस्खों को ही आजमाएं।

4.पहले का इलाज हुआ पुराना– अगर दांतों का इलाज कराने जाने से पहले इस बात को अपने डेंटिस्ट को बताएं कि आपका पहले किस-किस बीमारी में क्या इलाज हो चुका है। इसके अलावा अगर आप कोई दवाई खा रहे हैं या लंबे वक्त तक खाते रहे हैं तो उसके बारे में भी बताएं। अगर किसी दवा से अलर्जी या रिएक्शन है तो डेंटिस्ट को बताएं। आपके दांत भी शरीर का ही अंग हैं इसलिए बाकी शरीर के बारे में दी गई जानकारी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

5. फर्राटा सफाई – लोग दांतों को साफ करने में या तो वक्त बिताना ही नहीं चाहते या फिर बहुच कम वक्त देना चाहते हैं। कुछ लोगों को दिन में 2 बार दांतों की सफाई झंझट लगती है। हालांकि दांतों को हेल्थी बनाए रखने के लिए जरूरी है कि दांतों को 2 से 3 बार कायदे से साफ किया जाए। एक बात ध्यान रखें कि दांतों को ज्यादा बार और तेज ब्रश करने से दांतों की ऊपरी परत यानी इनेमल कमजोर हो जाती है।

6. डेंटल फ्लॉस और एंटीसेप्टिक माउथवॉश – ब्रशिंग के साथ माउथवॉश और फ्लॉसिंग भी जरूरी हैं । आपके दांतों के बीच में जो खाना फंसता है वो दांतों की सड़न और मसूड़ों के इंफेक्शन का एक बड़ा कारण होता हैं। इसलिए स्वस्थ मसूड़ों और दांतों के लिए डेंटल फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश का इस्तेमाल दांतों के बीच की जगह को साफ़ रखने के लिए किया जाता है। मुंह के कीटाणुरहित रखने के लिए रात में सोने से पहले एंटीसेप्टिक माउथवॉश से एक बार कुल्ला कर लेना चाहिए।

7.जंक फूड की ओवर डोज – मार्केट में मिलने वाले कई प्रॉडक्ट्स आपके दांतों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जैसे ज्यादा मात्रा में सोडा , कोल्ड ड्रिंक आदि पीना दांतों के लिए नुकसानदायक साबित ह सकता है। इन्हें ज्यादा लेने से दांतों की ऊपरी परत यानी इनेमल को नुकसान पहुंचता है और दांत सेंसेटिव हो जाते हैं जिससे कुछ भी गर्म-ठंडा दांतों में लगने लगता है।

अधिक मात्रा में मीठे और चिपकने वाली चीजें जैसे कैंडीज ,चिप्स, क्रीम बिस्कुट आदि खाने से दांतों में सड़न पैदा होने लगाती है। इन चीजों को कम खाना चाहिए। अगर बच्चे अधिक जिद करें तो बच्चों को हफ्ते में एक दिन तय करके यह चीजें खाने को दें। जब भी खाने को दें तो उसके बाद दांतों को ब्रश करवाना न भूलें। सोडा ,कोल्डड्रिंक लेने के तुरंत बाद ब्रश न करें, कुछ वक्त बाद ही ब्रश करें जिससे दांतों के इनेमल को कम नुकसान हो।

8. हरी सब्जियों और फल न खाना – हरी सब्जियां और फल दोनों ही आपके शरीर के साथ दांतों के लिए भी बहुत जरूरी होते हैं। इन्हें लेने से जरूरी विटामिन शरीर को मिलते हैं जो दांतों के लिए भी जरुरी हैं। विटामिन D और विटामिन D दोनों ही दांतों के लिए बहुत फायदेमेंद हैं। विटामिन D स्वस्थ्य मसूड़ों के लिए जरुरी हैं। विटामिन D आपकी हड्डियों और दांतों के लिए जरूरी है। सा देखने में आया है कि जो लोग लगभग 800mg/दिन विटामिन D लेते हैं उनमें मसूड़ों की परेशानी कम देखी गई है। विटामिन D मुख्तया चीज़,दूध,दही में पाया जाता हैं।

9.तंबाकू का नशा – तंबाकू को किसी भी तरह लेने से (बीड़ी ,सिगरेट,जर्दा आदि) हेल्थ के साथ-साथ दांतों और मसूड़ों को नुकसाना पहुंच सकता है। दांतों से जुड़े मसूड़ों को कमजोर करता हैं । तंबाकू को किसी भी तरीके से लेने पर दांतों पर भूरी, लाल ,पीली परत जमा हो जाती है।

10.कुछ बुरी आदतें – कुछ अनचाही आदतें जैसे रात को सोते वक्त दांतों का कटकटाना, मुंह में पेंसिल या पिन को लागतार चबाते रहना, बर्फ चबाना आदि दांतों पर अधिक दवाब डालते हैं जिसकी वजह से दांतों की इनेमल और जुड़ी हड्डियों पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए अगर आपको रात में ही दांतों को कटकटाने की आदत है तो डेंटिस्ट से सलाह लेकर रात को पहने जाने वाले माउथगार्ड बनवा सकते हैं। इसी तरह अगर स्विमिंग करते हैं तो माउथगार्ड दांतों को पानी में मिली क्लोरिन से बचाता है। क्लोरीन के असर से दांतों का रंग पीला पड़ता है और इनेमल का भी नुकसान होता है।

दक्षिणी ब्राजील में बारिश का कहर ...10 की मौत 31 लापता

रियो डी जनेरियो । दक्षिणी ब्राजील में बारिश कहर ढहा रही है। दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल में इस सप्ताह भारी बारिश के कारण दस लोगों की मौत हुई और 21 लोग लापता हैं। स्थानीय सरकार ने चेतावनी दी है कि स्थिति गंभीर है और यह कुछ दिनों में और भी खराब हो सकती है। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि तूफान से हुए नुकसान के कारण 3,300 से अधिक लोगों अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर गए है। राज्य के गवर्नर एदुआर्डो लेइट ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से बात की थी और हर संभव संघीय सहायता की मांग की थी। गवर्नर के अनुसार, तूफान ने हाल के वर्षों में राज्य में सबसे व्यापक तबाही मचाई है। बाढ़ और भूस्खलन के बीच पुलों के ढहने और सड़कों के नष्ट होने के कारण कई शहर अलग-थलग पड़ गए हैं।

पाकिस्तान में टैक्स चोरी करने वालों की मोबाइल सिम होगी ब्लॉक, मच सकता है हाहाकार, बैंकिंग सुविधा का लाभ उठाने वाले होंगे परेशान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार वहां के लोगों की हरकतों से इतनी परेशान हो गई है कि अब उनके खिलाफ एक बड़ा एक्शन लेने जा रही है। जी हां, पाकिस्तान में अधिकारियों ने टैक्स चोरों के खिलाफ कार्रवाई करने का मन बना लिया है। इसके तहत पांच लाख से अधिक कर टैक्स बकायादारों के मोबाइल फोन सिम कार्ड ब्लॉक करने का फैसला लिया है। फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एफबीआर) ने एक इनकम टैक्स जनरल ऑर्डर (आईटीजीओ) में कहा कि 2023 में टैक्स रिटर्न जमा नहीं करने वाले 506,671 लोगों के मोबाइल सिम ब्लॉक कर दिए जाएंगे। ऐसे करने से पाकिस्तानी टैक्स चोरों में हाहाकार मच सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआर ने पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) और सभी दूरसंचार प्रदाताओं को ऐसे लोगों के सिम को ब्लॉक करने के लिए 2024 के आयकर सामान्य आदेश (आईटीजीओ) संख्या 01 को तुरंत लागू करने और 15 मई तक रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया गया है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि एफबीआर ने 2.4 मिलियन (24 लाख) संभावित करदाताओं की पहचान की है, जिन्होंने टैक्स चोरी की है। ऐसे लोगों को नोटिस भी जारी कर दिए गए हैं। एफबीआर ने मानदंड के आधार पर सिम कार्ड ब्लॉक करने के लिए 24 लाख लोगों में से करीब 5 लाख से ज्यादा लोगों का चयन किया है। ये ऐसे लोग हैं, जिन्होंने पिछले तीन सालों में से एक में टैक्सेबल इनकम घोषित की होगी और ऐसे लोगों ने टैक्स साल 2023 के लिए अपना रिटर्न दाखिल नहीं किया है। एफबीआर को 1 मार्च 2024 तक 4.2 मिलियन करदाता प्राप्त हुए, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान 3.8 मिलियन रिटर्न प्राप्त हुए थे। बता दें कि ऐसे लोगों के सिम कार्ड तब तक ब्लॉक रहेंगे, जब तक एफबीआर या अंतर्देशीय राजस्व आयुक्त द्वारा उस व्यक्ति पर अधिकार बहाल नहीं किया जाता। पाकिस्तान में सिम कार्ड ब्लॉक होने से हाहाकार मच जाएगा, क्योंकि इससे लाखों लोग परेशान हो जाएंगे। आज के समय में मोबाइल के बिना रहना आसान नहीं, ऐसे में अगर सिम कार्ड ब्लॉक हो जाता है तो बैंकिंग सुविधा का लाभ उठाने वाले लोग काफी परेशान हो जाएंगे।

क्या हैं जेनोफोबिक....बाइडेन ने भारत पर क्यों साधा निशाना

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि भारत, चीन, रूस और जापान से जेनोफोबिया ने अमेरिका के आर्थिक विकास को रोक दिया है। बाइडेन ने कहा कि चीन आर्थिक रूप से क्यों इतना मंद है, जापान को क्यों परेशानी हो रही है, रूस को क्यों, भारत को क्यों, क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं। वे अप्रवासी नहीं चाहते। अप्रवासी ही हमें मजबूत बनाते हैं। बता दें कि जेनोफोबिया से ग्रसित उन्हें कहा जाता है, जो अजनबियों से डरते या बाहरी अपरिचित व्यक्तियों से नफरत करते हैं। यानी बाइडेन ने भारत को एक ऐसा देश बताया है, जो दूसरे देशों के लोगों से नफरत करता है। 2024 में फिर से सत्ता में आने के लिए फंड रेसिंग प्रोग्राम में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था के बढ़ने का एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं। क्यों? क्योंकि हम अप्रवासियों का स्वागत करते हैं। बाइडेन इस साल होने वाले अमेरिकी चुनाव में राष्ट्रपति पद की रेस में रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ मैदान में हैं। उन्होंने अक्सर अपने प्रतिद्वंद्वी की आप्रवासी विरोधी बयानबाजी के लिए आलोचना की है। ट्रम्प ने कार्यालय में चुने जाने पर अवैध आप्रवासन पर अंकुश लगाने और कानूनी प्रवासन को प्रतिबंधित करने का वादा किया है। अपने प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने देश में हिंसा बढ़ने के लिए आप्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया था। इसके विपरीत बाइडेन ने प्रवासियों के मुद्दे पर अधिक मानवीय रुख की वकालत की है। सत्ता में आने के बाद से बाइडेन ने प्रवासियों पर ट्रम्प-युग की कार्रवाई को कम कर दिया है और नई पैरोल नीतियां पेश की हैं, जो कुछ प्रवासियों को मानवीय कारणों से कानूनी रूप से प्रवेश करने की अनुमति देती हैं। हालाँकि, शोध से पता चलता है कि बाइडेन को बेरोजगारी और आप्रवासन को लेकर मतदाताओं की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

रूस ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती रोकने...पेश किया प्रस्ताव

जेनेवा। रूस ने संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव पेश किया है जिसमें सभी देशों से बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती ''हमेशा के लिए रोकने'' के वास्ते तत्काल कदम उठाने की अपील की है। दिलचस्प बात यह है कि एक सप्ताह पहले कमोबेश इसतरह का प्रस्ताव अमेरिका और जापान ने संयुक्त रूप से पेश किया था लेकिन तब रूस ने वीटो कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने जब अमेरिका-जापान के प्रस्ताव पर वीटो किया था तब उन्होंने सुरक्षा परिषद में कहा था कि यह अंतरिक्ष में सभी प्रकार के हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए असरदार नहीं है। रूस ने जिस प्रस्ताव पर वीटो किया था उसमें पूरा ध्यान केवल परमाणु हथियारों सहित सामूहिक विनाश के हथियारों पर केन्द्रित था और उसमें अंतरिक्ष में अन्य हथियारों की तैनाती के संबंध में कोई उल्लेख नहीं था।

पापुआ न्यू गिनी में भूकंप के झटके

हांगकांग । पापुआ न्यू गिनी के 101 किमी पूर्वी दक्षिण पूर्वी हिस्से किम्बे में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि 2345 ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 मापी गई। भूकंप का केंद्र, 5.83 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 151.01 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 31.3 किमी की गहराई पर निर्धारित था।

चीन में हाईवे का हिस्सा धंसा, 36 लोगों की मौत कई घायल

बीजिंग। दक्षिणी चीन में भारी बारिश के बाद हाईवे का एक हिस्सा ढह गया जिससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार दक्षिणी चीन के मीझोउ शहर प्रशासन ने बताया कि बुधवार रात दो बजे राजमार्ग का 17.9 मीटर लंबा हिस्सा ढह गया जिससे 23 वाहन एक गड्ढे में गिर गए। कम से कम 36 लोगों मारे गए हैं और 30 घायल हुए हैं। गुआंगदोंग प्रांत के कुछ हिस्सों में पिछले दो हफ्तों में बारिश और बाढ़ आने के साथ ही ओलावृष्टि हुई है। पिछले सप्ताहांत प्रांत की राजधानी गुआंगझोऊ में एक तूफान में पांच लोगों की मौत हुई थी। ऐसा माना जा रहा है कि बारिश के कारण राजमार्ग के नीचे सड़क का एक हिस्सा भी धंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्हें तेज आवाज सुनाई दी जिसके बाद उन्होंने वहां एक बड़ा गड्ढा देखा। स्थानीय मीडिया में घटना के वीडियो और तस्वीरें जारी की हैं जिसमें घटनास्थल पर धुआं निकलता और आग लगी दिखाई दे रही है।

जॉर्जिया में एक महिला विरोध प्रदर्शन के दौरान छोड़ी गयी पानी की बौछार को हाथ से रोकने का प्रयास करती हुई। यहां विदेशी एजेंट्स का विराट हो रहा है।

शांति के प्रयासों में फिर अड़ंगा, किसी की नहीं सुन रहे नेतन्याहू

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच बीते कई महीनों से युद्ध चल रहा है। तबाही रोकने के लिए कई बार प्रयास किए गए हैं लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकला। गाजा में इजरायली सैनिकों का कत्लेआम रोकने के लिए अमेरिका और चार मुस्लिम देश एकजुट हैं। सऊदी अरब में हाल ही में हुई मीटिंग में इस बात पर जोर दिया गया कि जल्द ही गाजा में संघर्ष विराम किया जाए। इसके लिए अमेरिका इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को मनाने की कोशिश कर रहा है। इस बीच नई डील से पहले ही नेतन्याहू ने अड़ंगा डाल दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कसम खाई कि हमास के साथ समझौता हो या न हो, दोनों ही स्थिति में वह राफा में जमीनी हमला शुरू करेंगे। बता दें कि राफा शहर में 12 लाख से ज्यादा गाजावासियों ने शरण ले रखी है। बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली बंधकों के परिवारों के साथ एक बैठक में कहा कि उनके कार्यालय के अनुसार इज़रायल ने राफा से फिलिस्तीनी नागरिकों को निकालना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, हम पूरी जीत हासिल करने के लिए राफा में प्रवेश करेंगे और समझौते के साथ या उसके बिना वहां हमास बटालियनों को खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा, इजरायल राफा को फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास का आखिरी प्रमुख गढ़ मानता है। राफा गाजा का सबसे दक्षिणी शहर है, जहां करीब 12 लाख फिलिस्तीनियों ने शरण ले रखी है। उन्होंने यह टिप्पणी उस समय की है, जब इजरायल और हमास के बीच संघर्षविराम की बातचीत लगभग सात महीने से चल रही है। इस युद्ध को रोकने के लिए हाल ही में सऊदी अरब ने एक मीटिंग बुलाई थी, जिसमें अमेरिका, मिस्र, कतर, जॉर्डन देशों ने हिस्सा लिया था।

प्रिय नरेंद्र के दोस्त के पास जिनपिंग, यूरोप में कमजोर होती पकड़ के बीच चीनी राष्ट्रपति मैक्रों से क्या करेंगे मिन्नत?

ओटावा (एजेंसी)। भारत का डंका दुनिया में कुछ इस तरह से बज रहा है कि अब चीन को फ्रांस और यूरोप का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। उसे ये भी कहना पड़ रहा कि वो यूरोपीयन यूनियन में उसके लिए पैरवी कर दे। ये अपील चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यूरोपीय यात्रा से कुछ दिन पहले आई है। ये अपील चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने फ्रांस के राष्ट्रपति के राजनीति सलाहकार इमैनुएल बोने के साथ फोन पर की है। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार वांग यी ने टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि मुझे उम्मीद है कि फ्रांसिसी पक्ष यूरोपीयन यूनियन में चीन के प्रति सकारात्मक नीति जारी रखने के लिए दवाब डालेगा। बीजींग और पेरिस ने स्वतंत्रता और स्वायत्ता को पीछा करते हुए दुनिया के विभाजनों के टकराव का विरोध किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों देशों से एक साझा आवाज की उम्मीद करता है। ऐसे में समय में जब अंतरराष्ट्रीय स्थिति जटिल और अस्थिर है।कई चुनौतियों के साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उम्मीद है कि चीन और फ्रांस शांति, स्थिरता, मानव जाति के समृद्ध भविष्य संबंधित मुद्दों पर एकमत रुख बनाएंगे।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले सप्ताह फ्रांस, सर्बिया और हंगरी का दौरा करेंगे। बीजिंग रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष में एक बड़ी भूमिका चाहता है जिसने वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को

प्रभावित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने ब्रीफिंग में कहा कि चीन के राष्ट्रपति और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख शी की यात्रा पांच साल में उनकी पहली यूरोप यात्रा है और यह दुनिया के शांतिपूर्ण विकास को नई गति प्रदान करेगी। चीन यूक्रेन संघर्ष में तटस्थता का दावा करता है, लेकिन फरवरी 2022 में यूक्रेन पर मॉस्को के हमले से पहले शी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की कि उनकी सरकारों के बीच कोई सीमा नहीं दोस्ती है।

यूरोप के देशों में चीन का दबदबा पूरी तरह से घटता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह भारत है। इसकी सबसे बड़ी बात है कि भारत जब किसी भी देश के साथ व्यापार करता है तो उसे अपना दोस्त बना लेता है। फ्रांस और भारत की दोस्ती इसका जीता जागता प्रमाण है। चीन दुनिया के देशों से व्यापार के नाम पर उन्हें चूना लगाना जानता है। उसकी पोल दुनिया के सामने अब खुल चुकी है। लेकिन खुद जिनपिंग फ्रांस जाकर संबंध सुधारने की कोशिश में कुछ भी कर गुजरने को तैयार नजर आ रहे हैं।

जज की चेतावनी के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने न्यायाधीश को कहा कुटिल

-कोर्ट के आदेश का उल्लंघन पर नौ हजार डॉलर का जुर्माना लगाया

वौकेशा (एजेंसी)। कोर्ट की अवमानना मामले में दोषी ठहराए जाने और 'गैग आदेश' का उल्लंघन करने पर जज ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को विचाराधीन मामले में बयानबाजी करने की मनाही (गैग आदेश) के उल्लंघन का दोषी ठहराते हुए उन पर नौ हजार डॉलर का जुर्माना लगाया। जेल जाने की चेतावनी दिए जाने के एक दिन बाद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने खिलाफ रिश्वत मामले में सुनवाई कर रहे जज को कुटिल कह दिया है।

2024 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर वयस्क फिल्मों की अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स को, उन दोनों के कथित अवैध संबंधों के बारे में चुप्पी साधने के बदले 130,000 डॉलर की रिश्वत देने का तथा इस राशि के भुगतान को छिपाने के लिए रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। मामले की सुनवाई कर रहे जज ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को विचाराधीन मामले में बयानबाजी करने की मनाही (गैग आदेश) के उल्लंघन का दोषी ठहराते हुए उन पर नौ हजार डॉलर का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना चुप रहने के लिए धन देने के मामले में गवाहों, ज्यूरी और अन्य के संबंध में सार्वजनिक बयान देने से रोकने वाले 'गैग आदेश' का लगातार उल्लंघन करने पर लगाया गया। ट्रंप के सोशल मीडिया और प्रचार वेबसाइट पर पोस्ट के लिए जुर्माना लगाते हुए न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन ने कहा था कि यदि ट्रम्प ने उनके आदेशों का उल्लंघन करना जारी रखा, तो वह जेल जाएंगे। बता दे 'गैग आदेश' न्यायाधीश द्वारा अदालत के समक्ष वकीलों, गवाहों और पक्षों को किसी मामले के तथ्यों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करने के लिए दिया जाता है। यह आम तौर पर विशेष आपराधिक मामलों में दिया जाता है ताकि प्रतिवादी को निष्पक्ष सुनवाई का आश्वासन दिया जा सके।

वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विस्कॉन्सिन के वौकेशा में एक कार्यक्रम में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, कोई अपराध नहीं है। एक कुटिल न्यायाधीश हैं। वह पूरी तरह से विरोधाभासी न्यायाधीश हैं। उन्होंने दावा किया कि यह मामला और उनके खिलाफ अन्य मामले व्हाइट हाउस द्वारा उनके चुनाव अभियान को कमजोर करने के लिए चलाए गए हैं।

अमेरिका ने रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा कि अमेरिकी सरकार नए प्रतिबंधों के साथ रूस के हथियार उत्पादन को लक्षित कर रही है। चीन, बेल्जियम और स्लोवाकिया जैसे तीसरे देशों की लगभग 200 कंपनियां और 80 व्यक्ति प्रभावित हैं, जो कथित तौर पर अपने हथियार कार्यक्रम के लिए सामग्री की खरीद में रूस का समर्थन करते हैं। विभाग के अनुसार, प्रतिबंधों का उद्देश्य रूस द्वारा रासायनिक और जैविक (बायोलॉजिकल) हथियारों का उत्पादन करना भी है।

फिलीपींस में भीषण गर्मी से सूखा बांध... दिखाई दी 300 साल पुरानी बस्ती

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस में इनदिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी कितनी खतरनाक हैं, कि यहां बांध भी सूखने लगे हैं। फिलिपींस के एक प्रमुख बांध का पानी सूखने के कारण 300 साल पुरानी बस्ती फिर दिखाई दी हैं। राष्ट्रीय सिंचाई प्रशासन के पर्यवेक्षक इंजीनियर मार्लोन पलाडिन ने कहा कि कई महीनों तक बारिश नहीं हुई है। इस कारण मार्च में नुएवा एसिजा प्रांत में पेंटाबांगन बांध का पानी सूखने लगा। बांध के सूखने के बाद अब एक चर्च, मकबरा और एक कस्बे का हॉल सहित प्रमुख संरचनाएं दिखाई दे रही हैं।

इस कस्बे का नाम पेंटाबंगन है। 1970 के दशक में जब बांध बनाया गया तब यह जलाशय के कारण पानी के नीचे डूब गया। लेकिन इस समय देश के लगभग आधा हिस्से सूखे की चपेट में है। इससे बांध का जल स्तर भी नीचे हो गया। फिलीपींस सरकार की मौसम एजेंसी के आकड़ों के मुताबिक 30 अप्रैल को यह स्तर सामान्य से 50 मीटर कम था। पलाडिन ने आगे कहा, बांध बनने के बाद यह छठी बार है जब यह शहर एकबार फिर दिखने लगा है। लेकिन इस बार यह सबसे लंबे समय तक दिख रहा है।

जब भी पानी जलस्तर नीचे जाता है, तब यह वीरान शहर एक टूरिस्ट स्पॉट बन जाता है। दक्षिण पूर्व एशिया के ज्यादातर हिस्सों की तरह फिलिपींस में भी पिछले कई हफ्तों से भीषण गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। तापमान यहां 42 डिग्री सेल्सियस पार कर गया है। इस कारण आम जनजीवन अस्त व्यस्त है। स्कूलों को बंद कर दिया गया है। वहीं लोगों को घरों से काम करने की सलाह दी गई है।

फिलीपींस के अलावा बांग्लादेश में भी भीषण गर्मी के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। थाईलैंड में जनवरी से अप्रैल तक 30 लोगों की हीटस्ट्रोक के कारण मौत हो चुकी है। थाईलैंड का कहना है 2023 में तापमान 37 डिग्री थी। लेकिन म्यामांर के बॉर्डर इलाकों के करीब यह 45 डिग्री से ऊपर है।

किताब से खुलासा: कविता सुनाने पर कैंप में डाल देते हैं खून और आवाज के लेते हैं सैंपल

- चीन के उइगुर मुस्लिमों पर जुल्म की कहानी जो दुनिया तक नहीं पहुंचती

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में सरकार का मीडिया पर इतना नियंत्रण है कि अंदर की खबर बहुत ही कम दुनिया के सामने आ पाती है। चीन में बिना सरकार की इजाजत के कुछ भी प्रकाशित नहीं होता है। चीन में विदेशी पत्रकारों पर सरकार की नजर रहती है कि वह कहां जा रहे हैं। वहीं चीन उइगुरों के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है इसका पता लगाना तो और भी मुश्किल है।

पिछले कुछ सालों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उइगुरों के मानवाधिकारों के उल्लंघन की बहुत चर्चा हुई। चर्चा में यह बात भी सामने आई कि हान समुदाय बहुल चीन में उइगुरों कैंपों में बंद कर रखा है, जहां उन पर बहुत जुल्म किए जाते हैं। चीन सरकार के इस जुल्म से अनेक मुस्लिम उइगुरों के परिवार टूट गए हैं और जो लो कैंपों में नहीं है, उनकी सख्त निगरानी की जाती है।

उइगुरों पर अत्याचार के बारे में इस समुदाय के लोग बताते हैं, जो किसी तरह से चीन से दूसरे देशों में भागने में कामयाब हो गए हैं। इसके लिए वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं। फिर भी चीन में उइगुरों की वास्तविक हालत क्या है और उनके साथ वहां की

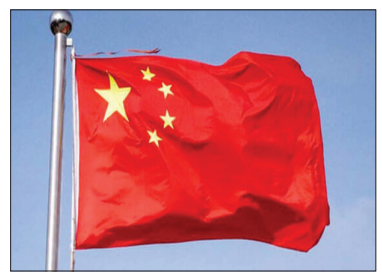

सरकार कैसा सलूक करती है, इसे आज भी दुनिया एक हद तक अनजान है। ताहिर हामुत इजगिल की किताब पढ़ने वाले को इससे रुबरु कराती है। ताहिर उन खुशकिस्मत उइगुरों में हैं, जो चीन से अपने परिवार के साथ भागने में कामयाब हो गए थे और उन्होंने अमेरिका में पनाह ली। ताहिर की किताब में लिखा है चीन में उनके दोस्त दुकानदार, किताब बेचने वाले और उइगुर कविताओं के मुरीद थे। अक्सर ये लोग एक दूसरे को अपनी कविताएं सुनाते थे। ताहिर लिखते हैं कि 2016 में ऐसी ही एक बैठक में जब कविताएं सुनाई जा रही थीं, तो वहां पुलिस आ गई।

पुलिस के आने पर उइगुर कवियों ने उनके चीनी पुलिसवालों के शराब मंगाई और उन्हें ऑफर की। इस शराब को मंगाने का मकसद यह संकेत देना था कि वे अच्छे नागरिक हैं। उसके बाद पुलिसवाले उन कवियों का पहचानपत्र अपने साथ ले गए। ताहिर किताब में लिखते हैं कि इस वाकये के कुछ दिनों बाद उस बैठक में शामिल उइगुर कवियों को एक-एक करके उन कैंपों में भेज दिया गया। ये कैंप उइगुरों की सांस्कृतिक पहचान मिटाने के लिए बनाए गए हैं। ताहिर इस किताब में लिखते हैं कि उस रोज बैठक में जो भी लोग शामिल हुए थे, आखिर में सिर्फ ताहिर ही बचे थे जो कैंप में भेजे जाने से पहले परिवार समेत चीन से भाग निकले।

ताहिर बताते हैं कि इन सबसे पहले जब वह युवा थे, तब भी उन्होंने तीन साल जेल और लेबर कैंप में गुजारे थे। उस वक्त उन पर देश से बाहर अवैध दस्तावेज ले जाने का आरोप लगा था। जब वह रिहा हुए तो उन्होंने फिल्म मेकिंग को अपना करियर बनाया। साथ ही साथ वह कविताएं भी लिखते रहे। लेकिन इसके बाद उइगुर किताबों को चीन की सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया। इसी दौरान ताहिर और उनकी पत्नी को एक बार पुलिस थाने बुलाया गया। वहां उनके ब्लड सैंपल लिए गए इसके बाद उन्होंने चीन से अमेरिका भागने की योजना बनाई। 2017 में वह अपने परिवार के साथ वहां जाने में कामयाब रहे।

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन का समर्थन करेगा भारत

जेनेवा (एजेंसी)। भारत ने उम्मीद जाहिर की है कि संयुक्त राष्ट्र का पूर्ण सदस्य बनने के फिलिस्तीन के प्रयास पर पुनर्विचार हो और विश्व संगठन का सदस्य बनने के उसके प्रयास का समर्थन किया जाएगा। अमेरिका ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिलिस्तीनी को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता प्रदान करने के प्रस्ताव पर वीटो किया था। फिलिस्तीन राज्य को संयुक्त राष्ट्र में सदस्यता को लेकर 15-राष्ट्र परिषद ने एक मसौदा प्रस्ताव पर मतदान किया। प्रस्ताव के पक्ष में 12 वोट पड़े, वोटिंग के दौरान स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन अनुपस्थित रहे और अमेरिका ने वीटो किया। अपनाया जाने के लिए, मसौदा प्रस्ताव को इसके पक्ष में मतदान करने के लिए कम से कम नौ परिषद सदस्यों की आवश्यकता थी, इसके पांच स्थायी सदस्यों- चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में से किसी ने भी वीटो नहीं किया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा कि हमने नोट किया है कि संयुक्त राष्ट्र में सदस्यता के लिए फिलिस्तीन के आवेदन को उपरोक्त वीटो के कारण सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया था, मैं यहां शुरुआत में ही कहना चाहूंगी कि भारत की दीर्घकालिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, हमें उम्मीद है कि समय आने पर इस पर पुनर्विचार किया जाएगा और संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बनने के फिलिस्तीन के प्रयास को समर्थन मिलेगा। भारत 1974 में फिलिस्तीन मुक्ति संगठन को फिलिस्तीनी लोगों के एकमात्र और वैध प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देने वाला पहला गैर-अरब राज्य था। भारत 1988 में फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था और 1996 में, दिल्ली ने इस खोला। गाजा में फिलिस्तीन प्राधिकरण का प्रतिनिधि कार्यालय, बाद में 2003 में रामल्ला में स्थानांतरित कर दिया गया।

वर्तमान में, फ़िलिस्तीन संयुक्त राष्ट्र में एक गैर-सदस्य पर्यवेक्षक राज्य है, यह दर्जा फिलिस्तान को 2012 में महासभा द्वारा दिया गया था। यह दर्जा फ़िलिस्तीन को विश्व निकाय की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति देता है, लेकिन वह प्रस्तावों पर मतदान नहीं कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र में एकमात्र अन्य गैर-सदस्य पर्यवेक्षक राज्य होली सी है, जो वेटिकन का प्रतिनिधित्व करता है।

जज शनिवार-रविवार को भी काम करते हैं उन्हें छुट्टी नहीं मिलती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को लंबी छुट्टी मिलती है लेकिन वह यह नहीं जानते कि जजों को शनिवार और रविवार को भी काम करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल से संबंधित एक मामले की सुनवाई चल रही थी तो सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गुरुवार को सुनवाई की जाए और यह भी कहा कि दोनों पक्ष गर्मी की छुट्टी से पहले अपनी दलील पूरी करें। पश्चिम बंगाल सरकार ने कहा है कि सीबीआई राज्य की इजाजत के बगैर मामले की जांच कर रही है। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल सरकार की अर्जी पर आगे सुनवाई करेगा। इस मामले में हाई कोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रखी है। इसी दौरान छुट्टी का मसला उठा। सॉलिसिटर जनरल ने पहले यह बात कही तब जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने भी कहा कि जो लोग यह आलोचना करते हैं कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों को लंबी छुट्टी मिलती है उन्हें शायद यह नहीं मालूम कि जज शनिवार और रविवार को भी काम करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया कि जज रोजाना 50 से 60 मामलों की सुनवाई करते हैं और छुट्टियों में भी फैसला लिखते हैं।

लोग बहुत समझदार....वोट से जबाव देने को तैयार : सुनीता केजरीवाल

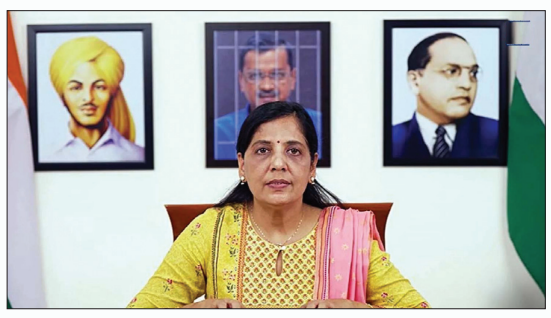

अहमदाबाद । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि लोग समझदार हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में डालने के भाजपा के कदम का जवाब अपने वोट से देने को तैयार है। वे गुजरात के भरूच और भावनगर संसदीय क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियों में शामिल होने से पहले अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचीं। उन्होंने कहा, उन्होंने (भाजपा ने) केजरीवाल को चुनाव के समय जेल में डाला है, ताकि उनकी आवाज जनता तक नहीं पहुंचे। लेकिन लोग बहुत समझदार हैं और वे अपने वोट से जवाब देने को तैयार है। सुनीता के साथ चुनावी दौरे पर गए 'आप' के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उन बयानों के लिए उन पर निशाना साधा कि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देने देंगे। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि उन्हें ये सारी बातें चुनाव से पहले ही क्यों याद आती हैं? आप अपने काम के आधार पर वोट क्यों नहीं मांगते? मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री पाकिस्तान के सबसे बड़े दोस्त हैं।''

कुछ लोगों ने मुझे अपनी ही पार्टी में बेगाना बना दिया-अनिल विज

चंडीगढ़। अंबाला कैंट से छह बार के विधायक और हरियाणा के पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें अपनी पार्टी में बेगाना बना दिया है। उन्होंने ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोगों ने मुझे मेरी पार्टी में ही बेगाना बना दिया है। विज अंबाला संसदीय सीट से बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक सभा को संबोधित कर रहे थे। बता दे बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने मार्च में हुए सैनी के शपथ ग्रहण समारोह से भी दूरी बना ली थी। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपना चुनाव प्रचार अंबाला छावनी निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित रखा है। विज ने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने अंबाला छावनी का विकास किया है तो वे इस चुनाव में अपनी ताकत दिखाएं और बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया को भारी मतों से विजयी बनाएं। बंतो कटारिया पूर्व केंद्रीय मंत्री रतन लाल कटारिया की पत्नी हैं। रतन लाल अंबाला से सांसद थे। पिछले साल उनका निधन हो गया। विज ने अपने भाषण के दौरान 'इंडिया' गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनके पास न तो कोई नेता है और न ही कोई नीति। जब विज यहां अंबाला छावनी में सभा को संबोधित कर रहे थे तो सैनी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे। बता दें कि इससे पहले मार्च में मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बारे में पार्टी द्वारा अवगत नहीं कराए जाने को लेकर अनिल विज के नाराज होने की खबरें आई थीं। सैनी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में विज को शामिल भी नहीं किया गया।

चुनावी मौसम में हॉक्स ई-मेल आने से चढ़ गया दिल्ली का पारा

नई दिल्ली । देश में लोकतंत्र का महापर्व अपने पीक पर चल रहा है। इस बीच बम के हॉक्स ई-मेल आने से दिल्ली का पारा अचानक ऊपर चढ़ गया है। दिल्ली में मंगलवार को राष्ट्रपति भवन सहित 103 सरकारी बिल्डिंग में बम रखे होने का ई-मेल आया, तब कोई बहुत ज्यादा हरकत नहीं हुई। लिहाजा बुधवार को सबसे संवेदनशील जगह स्कूलों को टारगेट किया गया। इससे अचानक पूरी दिल्ली हड़कंप मच गया। दहशत फैलाने वाले अपने मंसूबों में कामयाब हो गए। केंद्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली के एलजी और पुलिस के आला अफसरों अलर्ट मोड में आ गए। पैरंट्स और स्टूडेंट्स के बीच दहशत फैल गई। लोगों के बीच स्कूलों की तरफ भागने की होड़ सी मच गई। पुलिस अफसर बताते हैं कि अचानक इस तरह से पैनिक फैलने की आशंका रहती है। भगदड़ मचने पर जानमाल का नुकसान का खतरा बना रहता है। इसकारण जनता से यही अपील की जाती है कि वे इसतरह के हालात में बिल्कुल भी ना घबराएं और हमेशा अलर्ट रहें। एक एक तरह की नई चुनौती है, जिससे पुलिस और पब्लिक दोनों को मिल कर निपटना है। पुलिस अफसर ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में या अन्य जगह पर बम की हॉक्स कॉल पहले भी आती रही हैं। लेकिन इतने ज्यादा स्कूलों को बम रखने का एक साथ ई-मेल भेजने का ये पहला मामला सामने आया है। ये एक नया ट्रेंड है। इससे आने वाले समय में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के इस दौर में दहशत फैलाने वाले किसी भी हद तक जा सकते हैं। इस तरह का पैनिक फैलाने के पीछे साजिशकर्ताओं का क्या मकसद है और वे इससे क्या हासिल चाहते हैं, इसका खुलासा आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही हो सकेगा।

भाजपा के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से हटा एनिमेटेड वीडियो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल द्वारा मंगलवार को साझा किया गया एक एनिमेटेड वीडियो, जिसमें भाजपा द्वारा वोट मांगने के लिए सीधे तौर पर मुस्लिमों को निशाना बनाया जा रहा था, 1 मई को हटा दिया गया। इसके पहले बताया गया था कि किस तरह इस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावे कि अगर कांग्रेस सरकार में आई है, तब वह हिंदुओं की संपत्ति और धन मुसलमानों में बांट देगी को ही दोहराया गया था। इसमें यह भी कहा गया था कि मुस्लिम इस विपक्षी पार्टी का पसंदीदा समुदाय' हैं। इसमें वहीं भ्रामक और गोलमोल दावे थे, जो दक्षिणपंथियों द्वारा मुस्लिमों को कमतर दिखाने के लिए किए जाते रहे हैं। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो को पार्टी ने ही हटाया, या इंस्टाग्राम ने हटा दिया। क्योंकि इसके सामने आने के बाद बड़ी संख्या में इंस्टाग्राम यूजर्स ने बताया था कि उन्होंने वीडियो को 'गलत जानकारी' और 'हेट स्पीच' के लिए रिपोर्ट किया था। यह पहली बार नहीं था जब भाजपा ने चुनाव से पहले घोर सांप्रदायिक वीडियो प्रसारित किया है। अप्रैल के मध्य में तेलंगाना भाजपा ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें एक एनिमेटेड चरित्र पेपे द फॉग को दिखाया गया, जिसका इस्तेमाल अमूमन अमेरिका में ऑल्ट-राइट द्वारा किया जाता था और जिसे अब हिंदुत्व के सोशल मीडिया यूजर्स अपना चुके हैं और इस भारत में मुसलमानों और ऐतिहासिक शासकों का संदर्भ देने के लिए इस्तेमाल में ले रहे हैं।

-प्रियंका का पीएम मोदी पर हमला

भाजपा जनता की समस्याओं की बजाय पाकिस्तान पर बात करती

चिरमिरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा संसदीय क्षेत्र के चिरमिरी में कांग्रेस उम्मीदवार ज्योत्सना महंत के समर्थन में आयोजित जनसभा में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की समस्याओं की बजाय पाकिस्तान और चीन की बातें करते हैं। छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सम्मान को बढ़ाने के लिए कांग्रेस की ओर से की गई कोशिश को भाजपा ने पसंद नहीं किया। वर्तमान दौर में किस तरह की राजनीति हो रही है और किस तरह के नेताओं को बढ़ाया जा रहा है, यह हमारे सामने है।

उन्होंने कहा कि चिरमिरी सहित अन्य क्षेत्रों में खुशहाली आए इसकारण कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया था। जिसकी वजह से हजारों लोगों को रोजगार मिला। वर्तमान में मजदूर विरोधी, किसान विरोधी राजनीति चल रही है। भाजपा नेता जाति की राजनीति कर बताते है कि देश में खुशहाली और अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। दुनिया के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भारत आने की बात करते हैं। लेकिन जनता की सबसे बड़ी समस्याओं की बात मंचों पर नहीं हो रही है। इन मंचों पर जो बात होती है, वह बड़े-बड़े इवेंट की होती है, कोई जी-20 बोलता है, कोई पाकिस्तान की बात करता है, कोई चीन की बात करता है। आप जिन संघर्षों से गुजर रहे हैं, उनकी बात नहीं होती।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में दो तरह के नेता हैं। एक जो सबसे भष्ट्र नेता हैं। उन सभी को इकट्ठा करके अपनी पार्टी में ले लिया। जो दूसरी पार्टियो में भ्रष्ट थे, पहले उनके खिलाफ आरोप लगे और उन पर छापे मारे गए। उन पर दबाव डाला गया और अपनी पार्टी में ले लिया गया। जब उनकी पार्टी में आ गए तब वह पाक साफ हो गए। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई और केस नहीं हुआ। सब चुपचाप से बंद किया गया। दूसरी ओर वे नेता हैं, जो सिर्फ हवा-हवाई बातें करते हैं। जो आपकी बात नहीं करते।

सिसोदिया ने जमानत के लिए लगाई याचिका, कोर्ट ने की मंजूर सुनवाई कल

नई दिल्ली। कथित आबकारी नीति घोटाले में जेल में बंद दिल्ली से पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में जमानत के लिए गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया और एक याचिका दायर कर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया है। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। सिसोदिया की ओर वकील रजत भारद्वाज और मोहम्मद इरशाद ने कहा अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता एक विधायक है। उन्होंने अदालत से जमानत की मांग करने वाली दोनों याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। तत्काल सुनवाई के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया गया। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। सिसोदिया ने निचली अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। निचली अदालत में दो मामलों में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। निचली अदालत ने 2021-22 की आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन-शोधन मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

एशिया देशों में आग उगल रहा सूर्य.... आग की भटटी बने कई देश

भारत, जापान और बांग्लादेश में तापमान शीर्ष पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया के देशों में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। इससे गर्मी से संबंधित बीमारियों और मौतों में काफी ज्यादा तेजी आई है। बीते कुछ दिनों में भारत से फिलीपींस तक तापमान 100 से 120 डिग्री तक बढ़ गया है, जबकि जापान में तापमान 90 डिग्री तक बढ़ा है। मौसम विज्ञानी मैक्सिमिलियानो हरेरा ने लिखा है कि पूरे एशिया में तापमान कई पुराने रिकॉर्ड क्रूरतापूर्वक तोड़ रहा है, जो विश्व जलवायु इतिहास में अब तक की सबसे चरम घटना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल के आखिरी हफ्ते में एशिया ने भीषण गर्मी देखी और मई के शुरुआत दिनों में भी इसके जारी रहने की संभावना है। दक्षिण एशिया के कई इलाकों में मार्च से ही तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। फिलीपींस में 1.4 करोड़ लोगों की आबादी वाले मनीला में बीते शनिवार को अब तक का उच्चतम तापमान 101.8 डिग्री फारेनहाइट (38.8 सेल्सियस) दर्ज किया गया। बांग्लादेश, भारत, चीन में भी गर्मी रंग दिखा रही है।

बांग्लादेश में अप्रैल के आखिरी में गर्मी के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। देश में तापमान 109.4 डिग्री (43 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच गया। मंगलवार को बांग्लादेश में उच्च तापमान 110.8 डिग्री (43.8 सेल्सियस) था। चीन के हालात भी अच्छे नहीं हैं। चीन के युन्नान प्रान्त में अप्रैल में देश का शीर्ष तापमान 110.1 डिग्री (43.4 सेल्सियस)रहा। हैनान प्रांत में तापमान 109 डिग्री (42.8 सेल्सियस) तक पहुंचा, जो हैनान के लिए अब तक का उच्चतम तापमान है।

भारत कई हिस्सों में भीषण गर्मी है। खासतौर से कोलकाता में अप्रैल की सबसे लंबी गर्मी की लहर महसूस की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2 मई तक कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों के लिए अत्यधिक गर्मी के लिए कोड रेड घोषित किया। यहां तापमान औसत से लगभग 9 से 18 डिग्री (5 से 10 डिग्री) अधिक, 114.8 डिग्री (46 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंचा है। जलवायु डेटा के विश्लेषण के अनुसार भारत 2030 तक उच्च तापमान के लिहाज से दुनिया का सबसे संवेदनशील देश होगा।

जापान, म्यांमार में भी गर्मी का हाहाकार

जापान में दक्षिण से उत्तर तक गर्मी के नए रिकॉर्ड बने हैं। लाओस में अप्रैल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड शुक्रवार को बना, जब नगोन में तापमान 109.8 डिग्री (43.2 सेल्सियस) तक पहुंच गया। म्यांमार में पारा 114.8 डिग्री (46 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ गया है। फिलीपींस में मनीला खाड़ी के सांगली प्वाइंट पर भी न्यूनतम तापमान 86.4 डिग्री (30.2 सेल्सियस) दर्ज किया गया, जो देश के इतिहास में रात का सबसे ज्यादा तापमान है। ताप सूचकांक 110 डिग्री से अधिक होने के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। थाईलैंड में भी भीषण गर्मी देखी जा रही है।

एरिजोना विश्वविद्यालय में मौसम विज्ञान के प्रोफेसर किम वुड का कहना है कि इस गर्मी के पीछे की एक अहम वजह असामान्य रूप से समुद्र के पानी का गर्म होना है। उनका कहना है कि कुछ स्थानों पर गर्मी कुछ समय के लिए कम हो सकती है लेकिन औसत से ज्यादा तापमान बना रहेगा। मई के मध्य तक गर्मी और भी बढ़ सकती है।

पिछले चुनावों में मोदी के लिए वोट मांगने पर उद्धव ठाकरे ने मांगी माफी

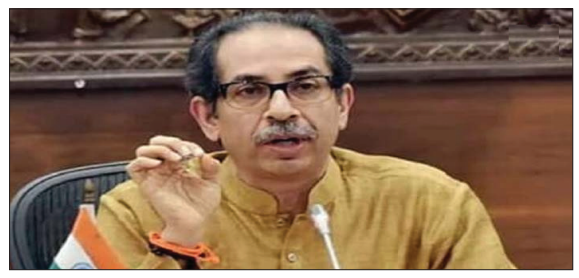

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के इचलकरंजी में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है और वह पूर्व के चुनावों में पीएम नरेंद्र मोदी के लिए वोट मांगने को लेकर लोगों से माफी मांगते हैं।

उद्धव ठाकरे और महा विकास आघाडी (एमवीए) के उनके सहयोगी एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने हातकणंगले निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार सत्यजीत पाटिल के समर्थन में पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के इचलकरंजी में एक रैली को संबोधित किया। 2022 में महाराष्ट्र में सरकार गिरने की परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अपना फैसला नहीं सुनाया कि असली शिवसेना किसकी है, बल्कि निर्वाचन आयोग और मध्यस्थ (महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर) ने अपना फैसला सुनाया, जो भाजपा के सेवक के रूप में काम कर रहे थे। ठाकरे उद्धव ने कहा कि जब कोई भी दल भाजपा से हाथ मिलाने को तैयार नहीं था, तब शिवसेना ने उसके साथ गठबंधन किया था।

उद्धव ठाकरे ने जून 2022 में अपनी सरकार के गिरने का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने एक ऐसे व्यक्ति की सरकार को गिरा दिया, जिसके परिवार ने उसे सब कुछ दिया था। उन्होंने कहा कि मैंने पहले हुए चुनावों में मोदी के लिए वोट मांगने को लेकर आपसे माफी मांगता हूं क्योंकि पीएम मोदी की सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है। वहीं सभा को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि पीएम मोदी महाराष्ट्र दौरे के दौरान राज्य के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बोलने के बजाय केवल शरद पवार और उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हैं।

बिहार की सियासत में बड़ा सवाल : पप्पू यादव कांग्रेस में है या नहीं?

पटना (एजेंसी)। चुनावी अखाड़े में अपनाए जाने वाले सियासी दांव पेंच कई बार बड़े रोचक भी होते हैं। बिहार में पूर्णिया सीट पर इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। यहां से पप्पू यादव कांग्रेस के नेता हैं और निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर आखिर तक गहमा-गहमी चलती रही। पप्पू चुनाव के अंतिम दिन तक कांग्रेस का समर्थन प्राप्त होने का दावा करते रहे।अब इस मामले में कांग्रेस ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। कांग्रेस की ओर से पप्पू को लेकर चौंका देने वाली प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट कर दिया है कि पप्पू यादव ने कांग्रेस की सदस्यता और अपनी पार्टी का विलय नहीं किया है। पूर्णिया से चुनाव लड़ने वाले पप्पू यादव को लेकर पूछे गए सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आधिकारिक जवाब दिया। पूर्णिया सीट महागठबंधन में राजद के खाते में चली गई थी। शर्मा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि पप्पू ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय किया है। उन्होंने पटना में सदस्यता पर्ची भी नहीं ली, जो बिहार से पार्टी में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को लेनी पड़ती है। बता दें कि एआईसीसी के बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश और मीडिया व प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए पप्पू यादव का पार्टी में स्वागत किया और उनकी जन अधिकार पार्टी के विलय की घोषणा की। शर्मा ने कहा कि बहुत से लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्नैक्स लेने आते हैं। मैं जो कहना चाह रहा हूं वह यह है कि प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। बता दें कि बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने यादव से नामांकन पत्र वापस लेने के लिए कहा था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि पार्टी अपने सदस्यों को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, यह भी अनुमान लगाया गया था कि कांग्रेस पप्पू के लिए कोई भी रास्ता खोज सकती है। पप्पू यादव खुद को आखिरी सांस तक कांग्रेस, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का सिपाही कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि दबंग सहयोगी राजद के दबाव में उन्हें कांग्रेस का टिकट नहीं दिया गया।

कैसरगंज से बेटे को टिकट मिलने पर गदगद हुए बृजभूषण शरण सिंह, पार्टी का किया धन्यवाद, टीएमसी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कैसरगंज के मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, जिन पर महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है, को हटा दिया और उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दिया। पार्टी के फैसले में बृजभूषण शरण सिंह का कहीं ना कहीं दबदबा दिखा है। बेटे को टिकट मिलने पर बृजभूषण शरण सिंह गदगद हैं। बृज भूषण के छोटे बेटे करण भूषण उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। वह गोंडा जिले के नवाबगंज में सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी हैं।

कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। करण भूषण सिंह ने कहा कि मैं यहां बजरंगबली का आशीर्वाद लेने आया हूं। वह मेरे गुरु हैं। बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं इसके लिए पार्टी को धन्यवाद देता हूं। कल नामांकन दाखिल किया जाएगा। इस बार ब्रज भूषण की सीट पर काफी सस्पेंस था क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख, जो छह बार के सांसद भी हैं, पर देश के कुछ प्रतिष्ठित पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट दिए जाने पर टीएमसी ने सवाल उठाया है। टीएमसी नेता सागरिका घोष ने कहा कि भाजपा ने बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण सिंह को टिकट दिया है, यह शर्मनाक और अपमानजनक है। बृज भूषण शरण सिंह पर किसी और ने नहीं बल्कि भारत की ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवानों ने गंभीर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन पर पॉस्को एक्ट के तहत भी आरोप लगाया गया है। बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट देना छद्म राजनीति के अलावा कुछ नहीं है. इससे पता चलता है कि बीजेपी बृजभूषण शरण सिंह द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न की निंदा करने को तैयार नहीं है। भाजपा कहती है कि वह वंशवाद की राजनीति के खिलाफ है, तो यह वंशवाद की राजनीति के अलावा और क्या है?

छह बार सांसद रहे भूषण अपने राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र और उसके आसपास लगभग 50 निजी शैक्षणिक केंद्र भी चलाते हैं। वह लगभग एक दशक तक भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे। सखी मलिक और बजरंग पुनिया समेत पहलवान भूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। कैसरगंज लोकसभा सीट पर लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। 2019 में बृजभूषण को 5,81,358 वोट मिले। बसपा के चंद्रदेव राम यादव को 3.19 लाख से ज्यादा वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार विनय कुमार पांडे को 37,132 वोट मिले।

निकल गई हेकड़ी.... भारतीय पर्यटकों को लुभाने में जुटा मालदीव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव में मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से दोनों देशों में खटास आ गई है। मालदीव के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी को लेकर अभद्र टिप्पणी की जिसके बाद भारत में मालदीव बॉयकाट का ट्रेंड शुरु हो गया। मालदीव की इकोनॉमी में भारतीय पर्यटकों का बड़ा योगदान है। इसके बाद साल 2024 में मालदीव के अंदर भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट आने के बाद अब मालदीव परेशान दिख रहा है।

जिसके बाद मालदीव मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशंस कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक फातिमथ तौफीक ने खुलासा किया है कि भारतीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए अब नए प्रयास शुरू किए हैं। मालदीव पर्यटन बोर्ड के एमडी ने बताया कि जैसे ही पर्यटन मंत्रालय ने साल 2024 में भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी, उन्होंने भारतीय बाजार को आकर्षित करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। मालदीव पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 से 2023 के बीच मालदीव में सबसे अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे, लेकिन विवाद के बाद भारतीय टूरिस्टों की रैंकिंग पहले से छठे स्थान पर खिसक गई है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगर लंबे समय तक भारतीय टूरिस्ट मालदीव से दूरी बनाते हैं, मालदीव को बड़ा झटका लग सकता है। इस बीच फातिमाथ ने कहा कि हम भारतीय बाजार से पर्यटकों की आवक बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय पर्यटकों की आवक बढ़ाने के लिए सीजन से पहले भी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए मालदीव ने भारत सरकार से भी मदद मांगी है। भारतीय बाजार में मालदीव पर्यटन ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए कई एयरलाइंस के साथ मालदीव पर्यटन विभाग ने समझौता किया है। एमडी ने बताया कि वे इसतरह के अभियान चलाएंगे, जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ सके।

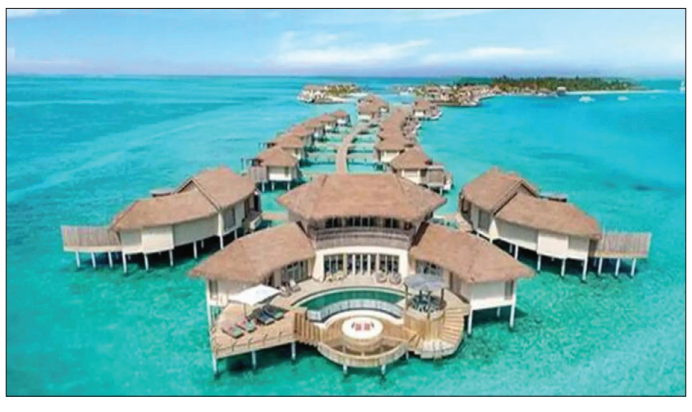

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीसरे चरण के लिए कल सीआर पाटिल का धुआंधार प्रचार, कांग्रेस प्रत्याशी नैषाद देसाई ने भी बड़े बाजार में वोट मांगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी लोकसभा सीट पर सीआर पाटिल कल तीसरे चरण के लिए प्रचार करेंगे, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस उम्मीदवार नैषाद देसाई ने नवसारी शहर के बाजारों में वोट मांगे.

सीआर पाटिल कल सुबह ९=०० बजे जलालपोर तालुक के मारोली गांव से एक बाइक रैली के साथ तीसरे चरण के प्रचार की शुरुआत करेंगे। दूसरी ओर, कांग्रेस उम्मीदवार नैसाद देसाई ने व्यापारियों के लिए महात्मा गांधी बापू की वेशभूषा धारण की नवसारी शहर में वोट मांगे गए. उनके साथ कांग्रेस नेता और जिला अध्यक्ष भी शामिल हुए. रैली मोटा बाजार से जूनाथाना होते हुए इंदिरा गांधी सर्किल तक निकाली गई।

जैसे-जैसे ७ मई करीब आ रही है, राजनेता और उम्मीदवार शहरी और ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

सीआर पाटिल १७४ जलालपोर विधानसभा और १७५ नवसारी विधानसभा क्षेत्रों में आने वाले गांवों और शहरी क्षेत्रों में एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रहे हैं। कुल मिलाकर, पाटिल २१ से अधिक गांवों में प्रचार करने जा रहे हैं।

पुलिस को देख भागा शख्स पकड़े जाने के बाद जाँच में २० लाख की एमडी ड्रग्स मिली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर क्राइम ब्रांच पुलिस को नशीली दवाओं के साथ एक शख्स को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता मिली है. लोकसभा चुनाव को लेकर सूरत शहर पुलिस कमिश्नर ने पुलिस को अलग-अलग क्षेत्र में पैदल गश्त करने के निर्देश दिए हैं. इस निर्देश अनुसार पुलिस मान दरवाजा के पास गश्त पर थी. इस दौरान एक शख्स पुलिस को देखकर भागने लगा. पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद पूछताछ करने पर पता चला कि उसके पास एमडी ड्रग्स है. मोहम्मद तोकिर शेख को पुलिस ने २० लाख कीमत की २०० ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया और उसे ड्रग्स सप्लाई करने वाले रेहान जावेद शेख को वांटेड घोषित किया गया.

सूरत क्राइम ब्रांच सूरत के मान दरवाजा इलाके में पैदल गश्त कर रही थी. तभी पुलिस को देखकर एक अज्ञात शख्स भागने लगा. इसके बाद शख्स को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा और जांच के दौरान उसके पास से २०० ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई. इसके अलावा उसके पास से एक मोबाइल फोन और १२०० रुपये नकद भी बरामद किए गए. इस प्रकार पुलिस ने शख्स के पास से कुल २०,४५,४०० रुपये के नकद माल सामान जब्त किए. गिरफ्तार किए गए इस शख्स से नाम पूछने पर उसने बताया कि उसका नाम मोहम्मद तोकिर उर्फ तौसीफ शेख है. आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ करने पर पता चला कि आरोपी मोहम्मद तोकिर सूरत के रुस्तमपुरा इलाके में किराए के मकान में रहता है. उसे ये एमडी ड्रग्स रेहान जावेद शेख नाम के शख्स ने दिया था. जावेद शेख के कहे मुताबिक मोहम्मद तोकिर रेहान ड्रग्स की मात्रा में हेराफेरी करता था. ये दोनों पिछले कुछ समय से एक ही तरह से मिलकर ड्रग्स का कारोबार कर रहे थे. रेहान जावेद शेख को क्राइम ब्रांच ने वांटेड घोषित कर दिया है और मोहम्मद तोकिर को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच शुरूकर दी गई है.

आढ़तिया कपड़ा एसोसिएशन सूरत सहित सभी व्यापारी एवं संगठन लामबंद, अब होगी कानूनी कारवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, आढतिया कपड़ा एसोसिएशन सूरत द्वारा ६ महीने के दौरान कपड़े बाजार में काफी सुधार किए गए हैं. नए-नए कठोर फैसलों और बदलाव से कपड़ा बाजार में नई पहचान बना रहा है. कपड़ा बाजार में भुगतान की सबसे बड़ी समस्या होती हैं. जिसको देखते हुए आढतिया कपड़ा एसोसिएशन सूरत के अध्यक्ष प्रहलाद कुमार अग्रवाल ने पूरे कपड़ा बाजार को अपने निर्णय से व्यापार में भुगतान समस्या को काफी सुधार किया है. ६ महीना में ८ करोड रुए से अधिक सूरत कपड़ा बाजार की रिकवरी की है. आने वाले समय में १ साल के ऊपर का जिन व्यापारियों का पेमेंट बाकी है उन पर अब सूरत व अन्य मंडियों से भीप्रतिबंध लगेगा. इसकी अपील सभी संगठनों से की है. इसके साथ ही अब नाम बदलकर व्यापार करने वालों पर कार्रवाई होगी.

पिछले सप्ताह कई व्यापारियों पर भुगतान न देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. उसमें से एक ऐसा व्यापारी जिसके फर्म का नाम गोयल ट्रेडर्स, पडरौना, मलिक का नाम सुमित गोयल उर्फ लकी का मामला आया. सुमित गोयल ने १० से अधिक व्यापारियों का २ से ३ करोड़ से ऊपर का भुगतान नहीं किया. जब सभी व्यापारी एसोसिएशन से संपर्क कर पेशकश की तो एसो. प्रमुख प्रहलाद अग्रवाल ने सुमित गोयल से व्यापारियों के बकाये का भुगतान करने का आग्रह किया. जिससे उस व्यापारी को इतना बुरा लगा कि उसने आढतिया कपड़ा एसोसिएशन सूरत (AKAS) संस्था अध्यक्ष प्रहलाद कुमार अग्रवाल के साथ गाली गलौज करने के साथ पुलिस केस किया ताकि वे इस मामलें में नहीं पड़े.

यह सभी मामलों को संस्था की तरफ से एडवोकेट यूसुफ पठान और अन्य वकील देख रहे हैं.

तय वेतन न मिलने से नाराज,एक साथ बड़ी संख्या में बस चालकों ने किया हड़ताल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर निगम ने बड़े पैमाने पर परिवहन के लिए विभिन्न एजेंसियों को बसें चलाने का काम दिया है. कंपनी और ड्राइवर कंडक्टरों के बीच किसी न किसी बात को लेकर लगातार टकराव की घटना सामने आती रहती है, जिसका सीधा असर जनता पर पड़ता है. सूरत नगर निगम द्वारा संचालित बस सेवा के प्रबंधकों द्वारा ड्राइवरों को निर्धारित वेतन नहीं देने के बाद बड़ी संख्या में क्क्झ्स बस चालक अचानक हड़ताल पर उतर गए. चिलचिलाती धूप में सूरत के रोड पर चलने वाली करीब १०० बसों के पहिए थम गए. भीषण गर्मी में बसें नहीं चलने से अनेक यात्री फंसे रहे. हड़ताल के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है.

सूरत नगर पालिका के पालनपुर डिपो में लगभग १४० ड्राइवरों ने आरोप लगाया कि बस ऑपरेटर एजेंसी ड्राइवरों को वेतन नहीं दे रही है. ड्राइवरों को २६ दिनों की उपस्थिति के लिए ८६५ रुपये प्रति दिन के हिसाब से २२,५०० रुपये मिलते हैं. लेकिन, एजेंसी द्वारा मात्र ६०० रुपये का भुगतान किया जा रहा है. इस स्थिति के कारण, एजेंसी का प्रबंधन हमारे साथ अन्याय कर रहा है. इसके अलावा मासिक वेतन पूरा होने के बाद भी समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है.

पालनपुर में हड़ताल पर गए बस चालकों ने कहा एजेंसी ने कुछ ड्राइवरों को काम पर रखा है. उनके पास लाइसेंस या अन्य कोई सबूत भी नहीं है. जिससे यात्रियों की जान को भी खतरा रहता है. वे कम वेतन पर काम पर रखते हैं और हमें तय वेतन के अनुसार भुगतान भी नहीं करते हैं. अधिकांश ड्राइवर जो मध्यम और गरीब वर्ग से आते हैं, आर्थिक रूप से वंचित हैं. कंपनी अक्सर वह नहीं करती जो उसे बताया जाता है जिससे कई समस्याएँ उत्पन्न होती हैं. इसके साथ ही यदि दो समय काम किया जाता है तो उसका भी पर्याप्त पैसा नहीं दिया जाता है. पहले भी हमने प्रस्तुति दी थी. लेकिन कोई समाधान नहीं निकलने पर ऐसे हड़ताल करने का समय आ गया है.

सॉफ्टवेयर कंपनी के मालिक से ६० लाख की ठगी करने वाला आरोपी एक साल बाद चेन्नई से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर में साइबर क्राइम के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. ऐसे में एक सॉफ्टवेयर कंपनी के मालिक के साथ ६० लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई है. मनी ट्रांसफर करने वाले युवक के खाते में ६० लाख रुपये आने के बाद उसने दुबई दिरहम भेजने के बजाय फोन बंद कर दिया और भाग गया थे. धोखाधड़ी की जानकारी होने पर सॉफ्टवेयर कंपनी के मालिक ने दो युवकों के खिलाफ साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. आरोपी इम्तियाज गुलाब बाशा को दुबई से चेन्नई लौटते समय गिरफ्तार किया गया. आरोपी पिछले एक साल से फरार चल रहा था.

सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में रहने वाले केयूरकुमार रमेश बुसा सरथाना जकातनाका में टीम आईटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम से सॉफ्टवेयर डेवलपिंग का काम करते हैं. कंपनी की दुबई स्थित कंपनी मैग्नेटो इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी रुस्ट सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का काम करती है. जहां क्योर के पार्टनर अभिषेक पनसेरिया हैं, जो दुबई स्थित कंपनी को संभालते हैं. दुबई में कंपनी एक महीने पहले शुरू की गई थी और उस कंपनी में रुपये निवेश करने के लिए रुपये को दुबई के दिरहम में ट्रांसफर करना था. केयूर के दोस्त प्रेम सिंह का संपर्क दुबई में रहने वाले इरफान गुलाब बासा से करवाया. इरफान बासा से संपर्क कर दुबई में रुए ट्रांसफर करने की बात कही तो इरफान ने कहा, मैं तो मनी ट्रांसफर का ही काम करता हूं. आप मुझे मेरे बैंक खाते में पैसे भेज दीजिए. मैं आपके रुपये दुबई में दिरहम में स्थानांतरित कर दूंगा. केयूर ने दुबई में पहले ७.५० लाख रुपये, फिर १५ लाख रुपये दिरहम में ट्रांसफर करके इरफान का विश्वास हासिल किया. इसके बाद पांच ट्रांजैक्शन किए गए और कुल ६० लाख रुपये इरफान के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए. हालाँकि, इन रुपयों को दिरहम में स्थानांतरित करके नहीं भेजा गया था. इसके बाद इरफान का फोन बंद हो गया. जब केयूर को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उसने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.

जांच के दौरान, अपराध में शामिल २८ वर्षीय आरोपी इरफान गुलाब बाशा और ३२ वर्षीय इम्तियाज गुलाब बाशा बताए गए पते पर नहीं पाए गए. दोनों आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए दुबई भाग गए. तो उनको छ्त्रक्ष्ट धारा-७० के तहत वारंट प्राप्त किया गया था. एक आरोपी इम्तियाज गुलाब बाशा के दुबई से चेन्नई लौटने की सूचना मिली थी. जिसके बाद साइबर क्राइम सेल की टीम को जांच के लिए चेन्नई भेजा गया. आरोपी इम्तियाज गुलाब बाशा, जो इस अपराध में शामिल था और पिछले एक साल से फरार था, वह पकड़ा गया.

सूरत में १४ साल की बच्ची से दुष्कर्म कर वीडियो वायरल करने की धमकी देने वाले दो लोग पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के भाठेना में एक कपड़ा फैक्ट्री में अपनी मां के साथ जाने वाली १४ साल की बच्ची को वहां काम करने वाले एक युवक ने शादी का प्रलोभन दिया और उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया. लड़की की मां को तब पता चला जब फैक्ट्री के मालिक ने दोनों के निजी पलों का वीडियो बना लिया और लड़की की मोसी को दिखाया. जब उन्होंने फैक्ट्री कर्मचारी से वीडियो डिलीट करने को कहा तो फैक्ट्री कर्मचारी ने उसे वायरल करने की धमकी दी. लड़की की मां ने सलाबतपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने युवक और फैक्ट्री कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरुकी गई.

मिली जानकारी के अनुसार, २१ वर्षीय जीतू राणा सूरत के भाठेना में उमिया माता मंदिर के पीछे स्थित ४५ वर्षीय पप्पू चौधरी की कपड़ा फैक्ट्री में काम करता है और वही रहता है. फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला अपनी ८वीं क्लास में पढ़ने वाली १४ साल की बेटी के साथ फैक्ट्री आती थी. इसी बीच एक साल पहले जीतू ने बच्ची को शादी का झांसा देकर फैक्ट्री के ऊपरी हिस्से में ले जा कर यौन संबंध बना लिया था. हालाँकि, उनके निजी पलों को फैक्ट्री मालिक पप्पू चौधरी ने उनकी जानकारी के बिना अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर लिया. कुछ समय पहले पप्पू चौधरी ने अपनी फैक्ट्री में काम करने वाली बच्ची की मोसी को वीडियो दिखाया था. जिससे उसने अपनी बहन को सूचित किया.

लड़की की मां पप्पू चौधरी के पास गईं और उनसे वीडियो डिलीट करने को कहा. जो डिलीट नही किया तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही तब पप्पू चौधरी ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी. लड़की की मां ने जीतू राणा के खिलाफ दुष्कर्म और पप्पू चौधरी के खिलाफ वीडियो बनकर वायरल करने धमकी देने की शिकायत सलाबतपुरा थाने में दर्ज कराई गई थी. लड़की की मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है. साथ ही दोनों के मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए गए है. इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या यह वीडियो वायरल हुआ है.